Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 75
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.0
सोमवार, 23 मार्च, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

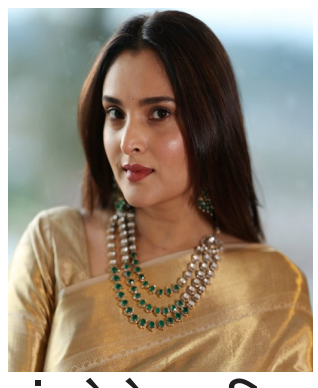

3 महालक्ष्मी सरस महिलाओं के लिए बाजार का ...

4 मोबाइल की चमक में धुंधलाते रिश्ते, ...

7 दिल्ली कैपिटल्स के पास बहुत मजबूत टीम...

संक्षिप्त न्यूज

आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मंत्री लालजीत भुल्लर की कुर्सी गई

चड़ीगढ़। पंजाब के मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने एक अधिकारी को आत्महत्या के लिए उकसाने के गंभीर आरोपों के बाद इस्तीफा दे दिया है। मृतक अधिकारी द्वारा जारी आत्महत्या वीडियो में मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाए जाने के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया।

पंजाब के पूर्व परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर इस समय एक बड़े राजनीतिक विवाद के केंद्र में हैं। अमृतसर में तैनात राज्य भंडारण निगम के जिला प्रबंधक गगनदीप सिंह रंधावा की कथित आत्महत्या के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भुल्लर से इस्तीफा मांग लिया है। रंधावा ने मरने से पहले एक वीडियो रिकॉर्ड किया था, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री भुल्लर ने उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया और जान देने पर मजबूर किया। इस वीडियो के सामने आने के बाद विपक्ष ने सरकार को घेर लिया, जिसके जवाब में निष्पक्ष जांच के लिए यह कदम उठाया गया है। पुलिस ने रंधावा की पत्नी की शिकायत पर भुल्लर, उनके पिता और उनके निजी सहायक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

भुल्लर का विवादित सफर

तरनतारन की पट्टी सीट से विधायक लालजीत सिंह भुल्लर का राजनीतिक करियर उतार-चढ़ाव भरा रहा है। 2022 के चुनावों में बड़े नेताओं को हराकर वे आम आदमी पार्टी के प्रमुख चेहरों में उभरे, लेकिन जल्द ही विवादों ने उन्हें घेर लिया।

मंत्री बनने के बाद उनका एक वीडियो सामने आया जिसमें वे चलती हुई गाड़ी की छत से बाहर निकलकर नियमों का उल्लंघन करते दिखे, जिसके बाद विपक्ष ने उन्हें 'उड़ता मंत्री' कहना शुरू कर दिया। पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सत्ता के शीर्ष पर 8931 दिन! पीएम मोदी ने तोड़ा पवन चामलिंग का रिकॉर्ड, बने नंबर-1 लीडर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय राजनीति में एक ऐसी ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है, जिसे मील का पत्थर माना जा रहा है। वे भारत में किसी भी चुनी हुई सरकार के प्रमुख के रूप में सबसे लंबे समय तक पद पर रहने वाले नेता बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने पवन कुमार चामलिंग का रिकॉर्ड तोड़ दिया है, जिन्होंने सिक्किम के मुख्यमंत्री के रूप में 8, 930 दिनों तक सेवा दी थी। अब पीएम मोदी के कार्यकाल के 8, 931 दिन पूरे हो गए हैं, जिसमें गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के रूप में उनकी भूमिका शामिल है। नेतृत्व की भूमिका में यह उनका 25वां वर्ष है, जो उनकी निरंतर जनसेवा और मजबूत राजनीतिक पकड़ को दर्शाता है।

पीएम मोदी के नाम कई बड़े रिकॉर्ड दर्ज हैं। वे गुजरात के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्री रहे हैं और उनके पास मुख्यमंत्री के रूप में काम करने का सबसे लंबा अनुभव रखने

वाले प्रधानमंत्री होने का गौरव भी प्राप्त है। वे आजादी के बाद पैदा होने वाले भारत के पहले प्रधानमंत्री हैं। साल 2014, 2019 और अब 2024 के लोकसभा चुनावों में उनकी लगातार तीन जीतें उनके प्रति जनता के अटूट भरोसे को साबित करती हैं।

उन्होंने 7 अक्टूबर 2001 को पहली बार गुजरात की कमान संभाली थी और करीब 13 साल तक राज्य का नेतृत्व करने के बाद 26 मई 2014 को देश के 14वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। वे पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आने वाले और दो कार्यकाल पूरे कर तीसरी बार लौटने वाले पहले गैर-कांग्रेसी नेता भी बन गए हैं।

राजनीति के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर भी प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता का कोई मुकाबला नहीं है। इसी महीने उनके यूट्यूब चैनल पर सब्सक्राइबर्स की संख्या 3 करोड़ (30 मिलियन) को पार कर गई है, जिससे वे दुनिया के सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले ग्लोबल लीडर बन गए हैं। सब्सक्राइबर्स के मामले में वे वर्तमान और पूर्व, दोनों तरह के राष्ट्राध्यक्षों से कोसों आगे हैं।

फरवरी में उन्होंने इंस्टाग्राम पर भी 10 करोड़ (100 मिलियन) फॉलोअर्स का आंकड़ा पार किया और ऐसा करने वाले वे दुनिया के पहले सेवारत नेता बने। फिलहाल इंस्टाग्राम पर उनके 10.1 करोड़ (101 मिलियन) और एक्स पर 10.64 करोड़ (106.4 मिलियन) फॉलोअर्स हैं, जो भारत ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उनकी गहरी पैठ को दिखाते हैं।

नवरात्रि का पांचवाँ दिन

मां स्कंदमाता

स्कंदमाता से जुड़े रोचक तथ्य

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार स्कंदमाता, मां पार्वती का ही रौद्र रूप हैं. इस संबंध में यह कथा बताई गई है कि एक बार कुमार कार्तिकेय की रक्षा के लिए जब माता पार्वती क्रोधित होकर आदिशक्ति रूप में प्रगट हुईं तो इंद्र भय से कांपने लगे. इंद्र अपने प्राण बचाने के लिए देवी से क्षमा याचना करने लगे. चूंकि कुमार कार्तिकेय का एक नाम स्कंद भी है तो सभी देवतागण मां दुर्गा के रूप को मनाने के लिए उन्हें स्कंदमाता कहकर पुकारने लगे और उनकी स्तुति करने लगे. तभी से मां दुर्गा मां के पांचवें स्वरूप को स्कंदमाता कहा जाने लगा, और उनकी पूजा 5वीं अधिकष्ठात्री के रूप में होने लगी.

स्कंद माता की सही पूजा विधि

स्कंदमाता की पूजा ब्रह्म मुहूर्त में करने से ज्यादा अच्छे फल प्राप्त होते हैं. इसके लिए आप सुबह उठकर स्नान करें और साफ कपड़े पहनें. इसके बाद आपको स्कंदमाता की प्रतिमा को गंगाजल से स्नान कराना चाहिए, और फिर आप उन्हें पुष्प और भोग आदि अर्पित कर सकते हैं. स्कंदमाता को केले का प्रसाद चढ़ाया जाता है. यदि केला नहीं है तो बताशे का प्रसाद भी आप स्कंदमाता को चढ़ा सकते हैं.

स्कंदमाता के लिए भोग और मंत्र

भक्त स्कंदमाता को भोग में केले का भोग लगा सकते हैं, जबकि मंत्र कुछ ऐसा है: या देवी सर्वभूतेषु माँ स्कन्दमाता रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ।।

पेट्रोल के दाम में मिलेगी बड़ी राहत? एआईडीए ने नितिन गडकरी को दिया 20 प्रतिशत से ज्यादा इथेनॉल ब्लेंडिंग का प्रस्ताव

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पश्चिम एशिया संकट और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच ऑल इंडिया डिस्टिलर्स एसोसिएशन (एआईडीए) ने पेट्रोल के साथ 20 प्रतिशत से अधिक एथनॉल के मिश्रण की आपूर्ति की पेशकश की है। संघ का मानना है कि इससे भारत की आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता घटेगी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को लिखे एक पत्र में एआईडीए की उप-महानिदेशक भारती बालाजी ने कहा कि एथनॉल उद्योग देश द्वारा पहले ही हासिल किए जा चुके ई20 के लक्ष्य से आगे जाने के लिए तैयार है। उन्होंने पत्र में कहा, "अब जबकि पश्चिम एशिया युद्ध में उलझा हुआ है और कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं, तो हम एक एथनॉल उद्योग के तौर पर 20 प्रतिशत से अधिक की आपूर्ति करने के लिए तैयार हैं। इससे उसी मात्रा में कच्चे तेल का आयात कम होगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के कदम से आपूर्ति में रुकावट और देश पर पड़ने वाले आर्थिक प्रभाव को कम किया जा सकेगा। भारत ने अपना ई20 एथनॉल मिश्रण लक्ष्य (पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिलाना) 2025 में तय समय से पहले हासिल कर लिया है।

चुनाव से पहले एनडीए गठबंधन की हलचल तेज, सीट बंटवारे पर चर्चा के लिए चेन्नई जाएंगे गोयल

नई दिल्ली। तमिलनाडु में भाजपा के चुनाव मामलों की देखरेख कर रहे केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल एनडीए के भीतर सीट बंटवारे को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से 23 मार्च को चेन्नई पहुंचेंगे। उनका यह दौरा ऐसे नाजुक समय में हो रहा है, जब विधानसभा चुनाव नजदीक होने के बावजूद गठबंधन के सहयोगी दलों के बीच बातचीत अभी तक किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है।

तमिलनाडु में एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले एनडीए में भाजपा, पीएमके, एएमएमके और आईजेके जैसे प्रमुख सहयोगी दल शामिल हैं। हालांकि, राज्य भर में राजनीतिक गतिविधियां तेज होने के बावजूद औपचारिक सीट बंटवारे की बातचीत में देरी हो रही है। गोयल की यात्रा से गठबंधन सहयोगियों के बीच स्पष्टता और आम सहमति बनाने के लिए आवश्यक गति मिलने की उम्मीद है। इस सप्ताह की शुरुआत में दिल्ली में हुई कई उच्च स्तरीय बैठकों

के बाद वार्ता को फिर से गति देने का प्रयास किया जा रहा है। एआईएडीएमके के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से चुनावी रणनीति और गठबंधन समन्वय पर चर्चा की। एआईएडीएमके के टीटीवी दिनाकरन और पीएमके नेता अंबुमणि रामदास सहित अन्य एनडीए घटक दलों के नेताओं ने भी गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर सीट आवंटन के संबंध में अपनी अपेक्षाएं व्यक्त कीं।

गोयल को पहले पिछले सप्ताह चेन्नई जाकर बातचीत शुरू करनी थी, लेकिन अज्ञात कारणों से यह यात्रा स्थगित कर दी गई थी। संशोधित कार्यक्रम की पुष्टि हो चुकी है और उम्मीद है कि वे रविवार को सुबह लगभग 10 बजे पहुंचेंगे और एनडीए के प्रमुख नेताओं से परामर्श करने के बाद उसी दिन दिल्ली लौट जाएंगे।

भाजपा सूत्रों के अनुसार, पार्टी तमिलनाडु में 30 से 35 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। भाजपा प्रमुख शहरी सीटों, विशेष रूप से चेन्नई की वेलाचेरी, टी. नगर और मायलापुर सहित, और पश्चिमी तमिलनाडु की कुछ चुनिंदा सीटों पर भी जीत हासिल करने के लिए उत्सुक है। इस बीच, गठबंधन सहयोगियों के बीच शेष सीटों के बंटवारे को लेकर भी चर्चा चल रही है। भाजपा नेताओं को उम्मीद है कि एनडीए ढांचे के भीतर छोटे सहयोगी दलों और अन्य साझेदारों के बीच लगभग 50 निर्वाचन क्षेत्रों का बंटवारा हो सकता है।

नामांकन की तारीखें नजदीक आने के साथ ही, अब सबकी निगाहें गोयल की चेन्नई में होने वाली बैठकों पर टिकी हैं, जिनसे एनडीए के सीट बंटवारे के फार्मूले को अंतिम रूप देने और आगामी विधानसभा चुनावों के लिए गठबंधन की चुनावी रणनीति तय करने में निर्णायक भूमिका निभाने की उम्मीद है।

'राजा से ज्यादा वफादार': जजों पर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस भुयान की तीखी टिप्पणी, न्याय व्यवस्था पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान ने न्यायपालिका की कार्यप्रणाली पर बड़ा बयान देते हुए कहा है कि कई जज राजा से ज्यादा वफादार जैसी मानसिकता से काम कर रहे हैं। इसका मतलब यह है कि कुछ जज जरूरत होने पर भी बेल (जमानत) नहीं देते, जिससे लोग महीनों और वर्षों तक जेल में पड़े रहते हैं। उन्होंने यह बात सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन राष्ट्रीय सम्मेलन 2026 में कही, जहां वे विकसित भारत में न्यायपालिका की भूमिका विषय पर बोल रहे थे।

'जमानत न मिलने से बढ़ रही परेशानी'

जस्टिस भुयान ने साफ कहा कि न्यायपालिका के अंदर ही कुछ लोग जांच एजेंसियों के प्रति जरूरत से ज्यादा झुकाव रखते हैं। इसका सीधा असर आम लोगों पर पड़ता है, क्योंकि उन्हें लंबे समय तक जेल में रहना पड़ता है, जबकि कई मामलों में वे दोषी भी साबित नहीं होते।

'छोटी-छोटी बातों पर एफआईआर दर्ज हो रही'

उन्होंने चिंता जताई कि आजकल बहुत मामूली मामलों में भी एफआईआर दर्ज

हो रही है। जैसे, सोशल मीडिया पोस्ट या मीम, छात्रों के प्रदर्शन, सामान्य विरोध या आंदोलन। इन मामलों में जांच चलती रहती है और बाद में ये केस सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच जाते हैं, जिससे कोर्ट का समय भी बहुत खर्च होता है।

पीएमएलए और यूएपीए का ज्यादा इस्तेमाल

जस्टिस भुयान ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) और गैरकानूनी गतिविधियां निवारण अधिनियम (यूएपीए) जैसे कानूनों के ज्यादा इस्तेमाल पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आंकड़े बताते हुए कहा- पीएमएलए में हजारों केस दर्ज हुए, लेकिन बहुत कम मामलों में ट्रायल पूरा हुआ। यूएपीए में भी गिरफ्तारी बहुत ज्यादा, लेकिन सजा बहुत कम। उदाहरण के तौर पर साल 2019 में 1984 गिरफ्तारियां, लेकिन सिर्फ 34 को सजा मिली है, वहीं साल 2022 में 2636 गिरफ्तारियां, लेकिन सिर्फ 41 को सजा मिली। यानि औसतन सिर्फ 4इ मामलों में ही सजा हो रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब 95इ लोगों के बरी होने की संभावना है, तो उन्हें वर्षों तक जेल में क्यों रखा जाए?

विकसित भारत में असहमति जरूरी

जस्टिस भुयान ने कहा कि असली विकसित भारत वही होगा जहां असहमति को अपराध न माना जाए और अलग-अलग विचारों को सहन किया जाए। इसके साथ ही समाज में बराबरी और न्याय हो। उन्होंने कहा कि अगर लोग अपने विचार भी नहीं रख सकते, तो वह विकसित समाज नहीं हो सकता।

सरकार सबसे बड़ी मुकदमेबाज

उन्होंने यह भी कहा कि देश में सबसे ज्यादा केस सरकार ही करती है। कई बार अधिकारी बिना वजह अपील कर देते हैं, जिससे कोर्ट पर बोझ बढ़ता है। उन्होंने बताया कि एक जज को रोज 400-500 केस सुनने पड़ते हैं, कई बार जज थकान और दबाव में काम करते हैं।

असम चुनाव से पहले बीजेपी में बगावत, टिकट बंटवारे पर हिमंत सरमा के खिलाफ दिग्गजों ने खोला मोर्चा

गुवाहटी। असम में 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी के भीतर टिकट बंटवारे को लेकर भारी असंतोष पैदा हो गया है। कई मौजूदा विधायकों और वरिष्ठ नेताओं ने टिकट न मिलने पर पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और निर्दलीय चुनाव लड़ने की धमकी दी है।

इस संकट को टालने के लिए मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया नाराज नेताओं को मनाने की कोशिशों में जुटे हैं। विवाद की मुख्य वजह कांग्रेस से आए नेताओं को तुरंत टिकट देना और पुराने समर्पित कार्यकर्ताओं की अनदेखी करना बताया जा रहा है।

'कांग्रेस-भाजपा' बनाने के आरोप

सबसे तीखा विरोध दिसपुर निर्वाचन क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। वरिष्ठ नेता जयंत दास, जो इस सीट से प्रबल दावेदार थे, ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के खिलाफ सीधा विद्रोह कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस से आए करीबियों को

तरजीह देकर भाजपा को 'कांग्रेस-भाजपा' बना दिया गया है।

जयंत दास ने पार्टी छोड़ दी है और वे निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर मैदान में उतर सकते हैं। इसी तरह बिहपुरिया सीट पर मौजूदा विधायक अमिया कुमार भुइंया की जगह कांग्रेस से आए भूपेन बोरा को टिकट देने से भी स्थानीय कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश है।

दिग्गजों की अनदेखी से असमंजस की स्थिति

पार्टी ने कई बड़े चेहरों के टिकट काट दिए हैं, जिनमें वरिष्ठ नेता अतुल बोरा और पूर्व मंत्री सिद्धार्थ भट्टाचार्य शामिल हैं। अतुल बोरा 1985 से राजनीति में सक्रिय हैं और दो बार भाजपा विधायक रह चुके हैं, जबकि भट्टाचार्य ने ही 2015 में हिमंत बिस्वा सरमा को भाजपा में लाने में बड़ी भूमिका निभाई थी।

इनके अलावा, जोरहाट के पूर्व सांसद तपन कुमार गोगोई भी सोनारी सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने की योजना बना रहे हैं। गुवाहाटी मध्य सीट पर पहली बार किसी हिंदी भाषी (विजय गुप्ता) को उम्मीदवार बनाए जाने से भी स्थानीय मतदाताओं के एक वर्ग में नाराजगी देखी जा रही है।

पश्चिम एशिया में युद्ध के बढ़ते खतरे पर पीएम मोदी की बड़ी बैठक, एनर्जी सुरक्षा के लिए बना 'मास्टरप्लान'

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को राजधानी दिल्ली में एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच भारत की स्थिति की समीक्षा की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य देश में पेट्रोल, कच्चा तेल, गैस, बिजली और खाद जैसी जरूरी चीजों की सप्लाई को बिना किसी रुकावट के जारी रखना है।

प्रधानमंत्री आवास पर हुई इस बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर समेत कैबिनेट के कई वरिष्ठ मंत्री शामिल हुए। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि वह वैश्विक हालातों पर नजर रखते हुए देश की ऊर्जा सुरक्षा और आम जनता के हितों की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठा रही है।

गैस और ईंधन की किल्लत दूर करने के लिए कड़े कदम

देश में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की सप्लाई को सामान्य बनाए रखने के लिए सरकार ने कई बड़े फैसले लिए हैं। घबराहट में की जाने वाली बुकिंग में अब कमी आई है। सरकार ने राज्यों के लिए कमर्शियल गैस का कोटा बढ़ा दिया है, जिसमें अस्पताल और शिक्षण संस्थानों को प्राथमिकता दी जा रही है।

साथ ही, घरेलू और कमर्शियल उपभोक्ताओं को नए पाइप वाली गैस कनेक्शन देने में तेजी लाने की सलाह दी गई है। गैस की कालाबाजारी और जमाखोरी रोकने के लिए देशभर में लगातार छापेमारी की जा रही है। राहत की बात यह है कि अमेरिका के टेक्सास से रसोई गैस लेकर एक बड़ा जहाज मंगलुरु बंदरगाह पहुंच चुका है, जिससे सप्लाई में सुधार होगा।

समुद्री रास्तों पर तनाव

यह समीक्षा बैठक ऐसे समय में हुई है जब होर्मु जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण व्यापारिक रास्तों पर युद्ध के कारण तनाव चरम पर है।

भारत की ऊर्जा सप्लाई की टेंशन खत्म! एक तरफ रूस से आया कच्चा तेल तो दूसरी तरफ अमेरिका ने भेजा ईंधन

न्यू मंगलुरु पोर्ट पर रूस से कच्चे तेल और अमेरिका से एलपीजी की खेप पहुँची है, जो होर्मुज संकट के बीच भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए एक बड़ी कूटनीतिक जीत है। इन आयातों से देश में ईंधन की सप्लाई सुधरेगी और रिफाइनरियों को मजबूती मिलेगी।

भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए न्यू मंगलुरु बंदरगाह पर दो महत्वपूर्ण जहाजों का आगमन हुआ है, जिसमें रूस से कच्चा तेल लेकर आया 'एक्वा टाइटन' और अमेरिका के टेक्सास से एलपीजी की बड़ी खेप लेकर पहुंचा 'पाइक्सिस पायनियर' शामिल हैं।

'एक्वा टाइटन' उन सात रूसी टैंकरों में से पहला है, जिन्होंने अमेरिका से मिली विशेष छूट के बाद चीन का रास्ता छोड़कर भारत का रुख किया है, जबकि 'पाइक्सिस पायनियर' के आने से देश में चल रहे रसोई गैस के संकट में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। इन दोनों जहाजों से ईंधन उतरने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जिससे आने वाले दिनों में देश में कच्चे तेल और घरेलू गैस की सप्लाई में सुधार होगा।

होर्मुज संकट के बीच भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत

ईरान और इजरायल के बीच जारी युद्ध के कारण 'होर्मुज जलडमरूमध्य' बंद पड़ा है, जिससे दुनिया भर में तेल की सप्लाई प्रभावित हुई है। भारत के लिए यह रास्ता बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां से भारत का लगभग 50 प्रतिशत कच्चा तेल और भारी मात्रा में रसोई गैस आती है। ऐसे संकट के समय में रूसी तेल का भारत पहुंचना एक बड़ी राहत माना जा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, एक और बड़ा टैंकर 'स्वेजमैक्स जूजू एन' भी 25 मार्च तक गुजरात के सिक्का बंदरगाह पहुंचने की उम्मीद है। इन कदमों से भारत में तेल की कमी के खतरे को टालने में मदद मिलेगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि रूस और अमेरिका से समय पर पहुंचे इन ईंधनों की वजह से भारतीय रिफाइनरियों को बड़ी मजबूती मिलेगी और देश में तेल-गैस की अल्पकालिक कमी दूर हो जाएगी।

पण्डोखर धाम में 30वां सनातन संस्कृति महोत्सव 2 से 22 अप्रैल तक, भव्य तैयारियां शुरू

रायपुर। मध्यप्रदेश स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल पण्डोखर धाम में आगामी 2 अप्रैल से 22 अप्रैल 2026 तक 30वां सनातन संस्कृति महोत्सव भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन पिछले तीन दशकों से निरंतर श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जा रहा है, जिसमें देशभर से हजारों श्रद्धालु शामिल होते हैं।

महोत्सव के दौरान नव कुंडीय श्रीराम महायज्ञ का आयोजन प्रमुख आकर्षण रहेगा। इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम, कवि सम्मेलन, दंगल प्रतियोगिताएं एवं विशाल मेले का भी आयोजन किया जाएगा, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

इस भव्य आयोजन का संचालन श्री पण्डोखर सरकार गुरु शरण शर्मा महाराज जी की संस्था जन्म शक्तिपुंज बरह मानव कल्याण संस्थान चैरिटेबल ट्रस्ट, पण्डोखर धाम द्वारा किया जा रहा है।

महोत्सव के आमंत्रण के सिलसिले में पण्डोखर धाम के आचार्य उमा शंकर शास्त्री जी इन दिनों रायपुर (छत्तीसगढ़) प्रवास पर हैं। उनके साथ स्थानीय शिष्य मंडल के सदस्य राजीव अवस्थी, टेक राम साहू एवं राकेश अग्रवाल भी सक्रिय रूप से आमंत्रण अभियान में जुटे हैं।

इसी क्रम में आचार्य उमा शंकर शास्त्री जी ने छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह से उनके निवास पर भेंट कर उन्हें महोत्सव में शामिल होने का आमंत्रण दिया। डॉ. रमन सिंह ने आमंत्रण स्वीकार करते हुए कार्यक्रम में आने का आश्वासन दिया है।

महोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है और आयोजक समिति द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं।

'आतंकवाद के बिना जिंदा नहीं रह सकता पाकिस्तान', भाजपा ने पूर्व राजनयिक अब्दुल बासित पर साधा निशाना

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। पाकिस्तान के पूर्व राजनयिक अब्दुल बासित के एक बयान को लेकर भारत में सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि पाकिस्तान 'आतंकवाद के बिना चल ही नहीं सकता।' दरअसल, अब्दुल बासित ने एक पाकिस्तानी चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा था कि अगर अमेरिका पाकिस्तान पर हमला करता है, तो पाकिस्तान भारत के शहरों, जैसे दिल्ली और मुंबई, को निशाना बना सकता है। उन्होंने कहा कि 'अगर हम पर हमला होगा, तो हम भारत पर कहीं भी हमला करेंगे, चाहे आगे कुछ भी हो।'

'आतंकवाद पाकिस्तान के सिस्टम में ही शामिल'

इस बयान पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता तुहिन सिन्हा ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इस तरह की धमकी दिखाती है कि पाकिस्तान अभी भी आतंकवाद की सोच से बाहर नहीं आया है। उनके मुताबिक, 'ऐसे बयान साबित करते हैं कि पाकिस्तान अपनी पुरानी आदत नहीं छोड़ पा रहा है और आतंकवाद उसके सिस्टम में ही शामिल है।'

अब्दुल बासित ने क्या कहा था?

भारत में पाकिस्तान के पूर्व उच्चायुक्त बासित ने एक स्थानीय पाकिस्तानी चैनल को दिए साक्षात्कार में कहा था कि अगर अमेरिका द्वारा पाकिस्तान पर हमला किया जाता है, तो नई दिल्ली और मुंबई जैसे भारतीय शहरों पर हमला करना इस्लामाबाद का आसान विकल्प होना चाहिए। बासित ने कहा था, 'अगर अमेरिका पाकिस्तान पर हमला करता है, भले ही अमेरिका हमारी परमाणु सीमा के दायरे में न आए, तो आपके विचार से हमारे पास क्या विकल्प होगा? भारत, हमें कुछ करने की जरूरत नहीं है। भले ही हमारी सीमा वहां न हो, अगर कोई हम पर बुरी नजर डालता है, तो हम भारत में मुंबई और नई दिल्ली पर हमला करेंगे। आगे जो भी होगा, हम देखेंगे। दुनिया को यह पता होना चाहिए कि अगर हम पर हमला होता है, तो हम भी बदले में भारत पर जहां चाहे वहां हमला करेंगे।'

अफगानिस्तान पर पाकिस्तान के हमले की आलोचना

तुहिन सिन्हा ने पाकिस्तान को 'आतंकवादी देश' बताते हुए कहा कि पहले भी पाकिस्तान के नेताओं और सेना की तरफ से भारत को धमकियां दी जाती रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की सख्त नीतियों, खासकर ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान दबाव में है और इसी वजह से इस तरह के बयान सामने आ रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने हाल ही में अफगानिस्तान में एक ड्रग रिहैब सेंटर पर हमला किया, जिसमें कई लोगों की जान गई। भारत ने उस घटना की भी निंदा की थी।

'भारत अब हर चुनौती का कड़ा जवाब दे रहा है'

तुहिन सिन्हा के मुताबिक, अब भारत पहले जैसा नहीं है और हर चुनौती का कड़ा जवाब दे रहा है। उन्होंने कहा कि इंडस वाटर्स ट्रीटी को लेकर भी भारत के फैसलों से पाकिस्तान पर दबाव बढ़ा है, जिससे वह बौखलाया हुआ है। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाली पुरानी यूपीए सरकार पर भी निशाना साधा और कहा कि उस समय पाकिस्तान की हरकतों पर सख्त कार्रवाई नहीं होती थी, जबकि अब सरकार सीधे और मजबूत जवाब देती है।

नवी मुंबई के सभी विभागों में विश्व जल दिवस उत्साह के साथ मनाया गया

पानी आपूर्ति विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों ने ली जलरक्षक शपथ

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

संयुक्त राष्ट्र (जल) संस्था की ओर से हर वर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाया जाता है। स्वच्छ और ताजे पानी के प्राकृतिक स्रोतों की देखभाल करना और उनके सतत संरक्षण के लिए कार्य करना, यह संदेश प्रसारित करने के उद्देश्य से वर्ष 1993 से पूरे विश्व में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। नवी मुंबई महानगरपालिका की ओर से भी आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के मार्गदर्शन में तथा अतिरिक्त शहर अभियंता अरविंद शिंदे के माध्यम से सभी आठ विभागीय कार्यालय क्षेत्रों में मुख्य जलकुंभ स्थलों पर कार्यकारी अभियंता तथा पानी आपूर्ति विभाग के सभी संबंधित अधिकारी और कर्मचारी एकत्रित होकर विश्व जल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सभी स्थानों पर सामूहिक जल शपथ ली गई। पानी जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है और पृथ्वी पर पीने योग्य पानी की सीमित मात्रा को ध्यान में रखते हुए उपलब्ध जल स्रोतों का संरक्षण करना तथा पानी का संयमित उपयोग करना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से

संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1993 से 22 मार्च को 'विश्व जल दिवस' के रूप में मनाना शुरू किया।

इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र संघ ने 'पानी और लिंग समानता : जहां पानी बहता है, वहां समानता बढ़ती है' यह विश्व जल दिवस का नारा घोषित किया है। हम इस धरती को बचा सकते हैं और अपना भविष्य सुरक्षित कर सकते हैं। इसके लिए देश के जलरक्षक के रूप में सदैव कार्यरत रहने की शपथ ली गई। इस शपथ में पानी बचाने और उसके विवेकपूर्ण उपयोग का संकल्प लिया गया।

साथ ही 'वर्षा जल संचयन' अभियान को सफल बनाने के लिए पूरा सहयोग देने तथा पानी को एक अनमोल संपत्ति मानकर उसका उपयोग करने की भी शपथ ली गई। पानी के विवेकपूर्ण उपयोग और उसके अपव्यय को रोकने के लिए स्वयं, परिवार, मित्रों और पड़ोसियों को प्रेरित करने का संकल्प भी लिया गया।

नवी मुंबई स्वयं के मोरबे बांध के कारण जलसमृद्ध शहर है, फिर भी प्रत्येक व्यक्ति को अपनी आवश्यकता के अनुसार ही पानी का उपयोग करने का आवाहन महानगरपालिका की ओर से विश्व जल दिवस के अवसर पर किया गया।

भांडेवाड़ी पुलिस स्टेशन का उद्घाटन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नागपुर। नागपुर शहर में बढ़ती जनसंख्या, शहर के बाहरी क्षेत्रों में तेजी से हो रहे शहरीकरण तथा कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से भांडेवाड़ी में नए पुलिस स्टेशन की शुरुआत की गई है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने में जनता से सहयोग करने का आह्वान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों आज सुसज्जित भांडेवाड़ी पुलिस स्टेशन का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर वे संबोधित कर रहे थे।

इस कार्यक्रम में पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुळे, विधायक कृष्णा खोपड़े, पुलिस आयुक्त डॉ. रवींद्र कुमार सिंघल, पुलिस उपायुक्त निकेतन कदम तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

भांडेवाड़ी पुलिस स्टेशन की स्थापना से क्षेत्र के नागरिकों को तेज और प्रभावी पुलिस सेवाएं उपलब्ध होंगी। इससे अपराधों की रोकथाम, कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा नागरिकों में सुरक्षा की भावना विकसित करने में मदद मिलेगी, ऐसा मुख्यमंत्री ने कहा।

इस पुलिस स्टेशन में अत्याधुनिक सुविधाएं, तकनीकी साधन तथा नागरिक-केंद्रित सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इससे पुलिस की कार्यक्षमता बढ़ेगी और प्रतिक्रिया समय में सुधार होगा।

नागपुर पुलिस नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और नवस्थापित भांडेवाड़ी पुलिस स्टेशन इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

कार्यक्रम की शुरुआत में पुलिस आयुक्त डॉ. रवींद्र सिंघल ने स्वागत भाषण दिया और पुलिस स्टेशन की जानकारी प्रस्तुत की।

वसुंधरा महोत्सव 2026 का उद्घाटन, पर्यावरण संरक्षण का संदेश हुआ प्रबल

मिरा भाईंदर। मीरा भाईंदर महानगरपालिका द्वारा आयोजित 'वसुंधरा महोत्सव 2026' का आज भव्य शुभारंभ हुआ। पंचतत्त्व - भूमि, जल, अग्नि, वायु और आकाश - पर आधारित मूल्यों की जनजागरूकता के उद्देश्य से लगाए गए विशेष प्रदर्शन ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

महोत्सव का उद्घाटन मा. महापौर श्रीमती डिंपल विनोद मेहता ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर मा. आयुक्त राधाबिनोद ए. शर्मा (भा.प्र.से.), उपमहापौर श्री ध्रुवकिशोर पाटील, स्थायी समिति सभापति श्री हसमुख गहलोत, तथा महानगरपालिका के अनेक वरिष्ठ अधिकारी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

छात्रों के पर्यावरण प्रोजेक्ट आकर्षण का केंद्र

उद्घाटन समारोह के बाद उपस्थित गणमान्यो सुरक्षा हेतु चलाया जा रहा जन-आंदोलन है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि महोत्सव के तीन दिनों के बाद भी वे नियमित रूप से पर्यावरण सुरक्षा गतिविधियों में आगे आएं।

विभिन्न प्रतियोगिताएँ और हरित पहलें

महोत्सव के तहत नागरिकों और छात्रों के लिए कई प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई हैं, जिनमें शामिल हैं:

परसबाग (किचन गार्डन) प्रतियोगिता

पर्यावरण-अनुकूल प्रोजेक्ट प्रदर्शन

मैग्रोस क्लीनिंग प्रतियोगिता

वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता

सर्वश्रेष्ठ हरित स्कूल

सर्वश्रेष्ठ हरित हाउसिंग सोसायटीने पर्यावरण-अनुकूल स्टॉल्स और छात्रों के अभिनव प्रोजेक्ट्स का निरीक्षण किया। छात्रों की रचनात्मकता की सभी ने सराहना की।

महापौर का संदेशः 'एक पेड़ - एक जिम्मेदारी'

अपने संबोधन में महापौर डिंपल मेहता ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल शासन की नहीं, बल्कि हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आग्रह किया कि प्रत्येक व्यक्ति 'एक पेड़ - एक जिम्मेदारी' का संकल्प लेकर अपने आसपास हरियाली बढ़ाए।

उन्होंने 'घरोघरी नर्सरी' की अवधारणा का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रत्येक घर को पर्यावरण संरक्षण अभियान में भागीदार बनना चाहिए।

आयुक्त का आव्हानः यह सिर्फ अभियान नहीं, एक आंदोलन है

आयुक्त राधाबिनोद शर्मा ने कहा कि 'माझी वसुंधरा' केवल एक सरकारी पहल नहीं, बल्कि पर्यावरण सुरक्षा हेतु चलाया जा रहा जन-आंदोलन है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि महोत्सव के तीन दिनों के बाद भी वे नियमित रूप से पर्यावरण सुरक्षा गतिविधियों में आगे आएं।

विभिन्न प्रतियोगिताएँ और हरित पहलें

महोत्सव के तहत नागरिकों और छात्रों के लिए कई प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई हैं, जिनमें शामिल हैं:

परसबाग (किचन गार्डन) प्रतियोगिता

पर्यावरण-अनुकूल प्रोजेक्ट प्रदर्शन

मैग्रोस क्लीनिंग प्रतियोगिता

वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता

सर्वश्रेष्ठ हरित स्कूल

सर्वश्रेष्ठ हरित हाउसिंग सोसायटी

इनमें से प्रत्येक श्रेणी में तीन प्रतिभागियों को 22 मार्च 2026 की शाम को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

ग्रीन मैराथन और सांस्कृतिक कार्यक्रम

22 मार्च को प्रातः 6 बजे से 10 बजे तक 'ग्रीन मैराथन' तथा शाम 6 बजे से 10 बजे तक पुरस्कार वितरण व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

महानगरपालिका ने नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में 20 से 22 मार्च 2026 के दौरान आरक्षण क्र. 246, पद्मभूषण मेजर ध्यानचंद मैदान, सेवेन इलेवन स्कूल के पास, मीरारोड (पूर्व) में आयोजित वसुंधरा महोत्सव में शामिल होकर पर्यावरण संवर्धन की दिशा में सार्थक कदम बढ़ाएँ।

पद्मश्री पोपटराव पवार द्वारा भोंदूबाबा खरात की सराहना, विवादित बयान से राज्यभर में चर्चा

नाशिक। नाशिक के भोंदूबाबा अशोक खरात पर यौन शोषण के कई मामले दर्ज किए गए हैं। फिलहाल अशोक खरात जांच एजेंसियों की हिरासत में है और उससे गहन पूछताछ जारी है। आने वाले समय में अन्य महिलाएं भी सामने आकर खरात के खिलाफ खुलासे कर सकती हैं। इसके साथ ही खरात के नाम पर करोड़ों की संपत्ति होने की जानकारी भी सामने आई है। पूरे मामले की जांच जारी है। राज्यभर में खरात के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की जा रही है। ऐसे में अब हिवरे बाजार के सरपंच पद्मश्री पोपटराव पवार द्वारा खरात की सराहना किए जाने से बड़ा विवाद खड़ा हो गया है।

भोंदूबाबा अशोक खरात को पोपटराव पवार का समर्थन

भोंदूबाबा अशोक खरात को बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार किए जाने के बाद उसके कई नए वीडियो सामने आ रहे हैं। उसके कई राजनीतिक और प्रशासनिक संबंध भी उजागर हुए हैं, जिससे पता चला है कि सामाजिक क्षेत्र के कई लोग भी उसके संपर्क में थे। इसी बीच हिवरे बाजार के सरपंच पद्मश्री पोपटराव पवार का खरात के साथ एक वीडियो सामने आया है। पवार ने बताया कि वर्ष 2011 से उनका खरात से संबंध रहा है।

हिवरे बाजार के कई मंदिरों के जीर्णोद्धार के दौरान खरात तीन दिनों तक गांव में ठहरा था। पवार ने यह भी कहा कि गांव में पानी की समस्या को लेकर खरात ने उपाय बताए थे और देवी की पूजा के बाद गांव में सकारात्मक बदलाव देखने को मिला।

अशोक खरात की तथाकथित पद्धति को वैज्ञानिक आधार - पवार

पोपटराव पवार ने कहा कि अशोक खरात की तथाकथित पद्धति को वैज्ञानिक आधार प्राप्त है। उन्होंने दावा किया कि सिंगापुर और जापान जैसे देशों में अपराधियों को पकड़ने के लिए इस पद्धति का उपयोग किया जाता है।

इस बीच, खरात की गिरफ्तारी के बाद उसका परिवार हिवरे बाजार में पवार के पास ठहरा हुआ है। साथ ही खरात को कानूनी और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने में भी पवार की भूमिका होने की बात सामने आई है। इस कारण अब पवार की भी आलोचना होने की संभावना जताई जा रही है।

मुझमें ताकत नहीं रही, भोंदू खरात फूट-फूटकर रोया; पुलिस की सख्त पूछताछ के बाद चल भी नहीं पा रहा!

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

अशोक खरात पर कई महिलाओं के शोषण के आरोप सामने आए हैं। पहले एक महिला की शिकायत के बाद अब कई महिलाएं शिकायत दर्ज कराने सामने आ रही हैं। जानकारी के अनुसार एक महिला ने आरोप लगाया है कि गर्भवती होने के दौरान भी उसके साथ अत्याचार किया गया। इसी बीच खरात के खिलाफ यौन शोषण का तीसरा मामला दर्ज किया गया है, जिससे उसकी मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

अशोक खरात के खिलाफ तीसरा मामला दर्ज

जानकारी के अनुसार आज (22 मार्च) नाशिक के सरकारवाड़ा पुलिस थाने में तीसरा मामला दर्ज किया गया। इस मामले में एक महिला ने आरोप लगाया है कि धार्मिक विधियों और भविष्य बताने के नाम पर उसका शोषण किया गया। शिकायत दर्ज होते ही खरात की स्थिति और गंभीर हो गई है।

अशोक खरात चल नहीं पा रहा, फूट-फूटकर रोया

अशोक खरात के खिलाफ लगे आरोपों की जांच विशेष जांच दल

द्वारा की जा रही है। यह पूछताछ का लगातार तीसरा दिन है। शनिवार (21 मार्च) को उसकी करीब सात घंटे पूछताछ हुई, जिसमें जांच दल की प्रमुख तेजस्विनी सातपुते मौजूद थीं। पूछताछ में उसकी संपत्ति, आर्थिक लेन-देन, जमीन खरीद और महिलाओं से जुड़े आरोपों पर सवाल किए गए।

आज (22 मार्च) फिर से उससे कड़ी पूछताछ की गई। इसके बाद वह पूरी तरह टूटता हुआ नजर आया। बताया जा रहा है कि पुलिस की सख्ती के बाद वह फूट-फूटकर रोने लगा और कहने लगा कि अब उसमें कोई ताकत नहीं बची है।

कुछ वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें वह ठीक से चल भी नहीं पा रहा है। इन वीडियो को देखकर लोग प्रतिक्रिया दे रहे हैं कि पुलिस द्वारा उससे सख्ती से पूछताछ की जा रही है।

रुपाली चाकणकर की मुश्किलें बढ़ीं, तृप्ति देसाई का बड़ा खुलासा, कहा उन्हें खरात के बारे मेंष्ठ

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नाशिक । नाशिक के भोंदूबाबा अशोक खरात मामले में सामाजिक कार्यकर्ता तृप्ति देसाई ने रुपाली चाकणकर और आईजी दत्तात्रय कराळे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया है कि इस मामले को दबाने की कोशिश की गई और इसके लिए विशेष जांच दल से जांच की मांग की है।

अशोक खरात की गिरफ्तारी के बाद महाराष्ट्र की राजनीति और पुलिस तंत्र में हलचल मच गई है। उसके कई कथित कृत्य एक के बाद एक सामने आ रहे हैं। इसी बीच तृप्ति देसाई ने राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा रुपाली चाकणकर और आईजी दत्तात्रय कराळे पर आरोप लगाते हुए उनकी जांच की मांग की है।

उनकी भी जांच जरूरी

तृप्ति देसाई ने बातचीत में कहा कि पुलिस तंत्र ने अशोक खरात को संरक्षण दिया। यदि पिछले वर्ष ही इस मामले में कार्रवाई हुई होती तो स्थिति अलग होती। उन्होंने आरोप लगाया कि आईजी दत्तात्रय कराळे ने बार-बार खरात का समर्थन किया, जिससे उसका मनोबल बढ़ा और उसने महिलाओं का शोषण जारी रखा। इसलिए उनकी भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा होने के बावजूद रुपाली चाकणकर ने एक आरोपी का साथ दिया। जब यह मामला सामने आया, तब संबंधित पत्रकार पर दबाव बनाने, धमकाने और नोटिस भेजने जैसे प्रयास किए गए। पीड़िता के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया, जिससे आयोग की भूमिका पर सवाल उठते हैं।

रुपाली चाकणकर को पहले से थी जानकारी

तृप्ति देसाई ने आरोप लगाया कि रुपाली चाकणकर को पहले से ही खरात के कथित कृत्यों की जानकारी थी। उन्हें यह भी पता था कि वह महिलाओं का शोषण कैसे करता है, फिर भी इस मामले को दबाने की कोशिश की गई।

उन्होंने मांग की कि विशेष जांच दल द्वारा सभी संबंधित लोगों के बयान दर्ज किए जाएं और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए।

मुंबई दहल गई! विवाहित महिला का अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल, एक गिरफ्तार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। एक विवाहित महिला का अश्लील वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल किया गया और उससे लाखों रुपये वसूले गए। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है और उससे गहन पूछताछ जारी है। यह भी आशंका जताई जा रही है कि आरोपी ने अन्य महिलाओं को भी इसी तरह निशाना बनाया हो सकता है।

महिला का अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल

मुंबई के मालवणी क्षेत्र में पुलिस ने एक ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जो फेसबुक के माध्यम से महिलाओं को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजता था और उनसे बातचीत कर उनका विश्वास जीतता था। वह महिलाओं की निजी समस्याओं को समझने का दिखावा करता और भविष्य बताने के नाम पर उन्हें प्रभावित करता था।

इसी तरीके से उसने एक महिला को अपने जाल में फंसाया। आरोपी ने पहले उसका विश्वास जीता और फिर उसे समुद्र तट पर घूमने के लिए बुलाया। वहां उसने महिला के साथ समय बिताते हुए उसका वीडियो बना लिया और बाद में उसी वीडियो के आधार पर उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया।

महिला से 33 लाख रुपये वसूले

जानकारी के अनुसार आरोपी ने महिला से उसके अश्लील वीडियो के नाम पर 33 लाख रुपये वसूल किए। बाद में महिला को इस ठगी का एहसास हुआ। 18 तारीख को उसने अपने पति को आत्महत्या से जुड़ा संदेश भेजा। इसके बाद पति घर पहुंचा और पूरी घटना की जानकारी मिलने पर मालवणी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई।

आरोपी गिरफ्तार, आगे होगी कार्रवाई

पुलिस अधिकारी दीपक जमदाडे के अनुसार आरोपी कोई बाबा या ज्योतिषी नहीं, बल्कि मीरा रोड में रहने वाला एक चालक है। उसने फेसबुक पर महिला से दोस्ती की, उसे बाहर ले जाकर उसका वीडियो बनाया और उसे ब्लैकमेल कर पैसे वसूले। आरोपी का नाम अमर महागावकर है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

महालक्ष्मी सरस महिलाओं के लिए बाजार का बड़ा ब्रांड-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

महालक्ष्मी सरस में 10 करोड़ रुपये की बिक्री

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नागपुर। महालक्ष्मी सरस प्रदर्शनी केवल बिक्री का स्थान नहीं है, बल्कि महिला बचत समूहों के लिए एक प्रभावी बाजार के रूप में कार्य कर रही है। राज्य के 36 जिलों में उमेद मॉल बनाए जा रहे हैं, ऐसा प्रतिपादन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया।

इस प्रदर्शनी को नागरिकों से बढ़ता हुआ प्रतिसाद मिल रहा है और महालक्ष्मी सरस एक मजबूत ब्रांड बनता जा रहा है। राज्य में बचत समूहों के माध्यम से लगभग सौ करोड़ रुपये का व्यापार हो रहा है, ऐसा भी मुख्यमंत्री ने बताया।

इस अवसर पर राजस्व मंत्री तथा नागपुर जिले के पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुळे, ग्रामविकास मंत्री जयकुमार गोरे, वित्त व नियोजन राज्यमंत्री आशिष जयस्वाल, विधायक कृपाल तुमाने, कृष्णा खोपड़े, चरणसिंह ठाकूर आदि जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

महालक्ष्मी सरस 2026 में लगभग 404 स्टॉल लगाए गए हैं और अब तक 10 करोड़ रुपये की बिक्री हो चुकी है। यह बिक्री आगे और बढ़े, इसके लिए शासन प्रयास करेगा, ऐसी आशा उन्होंने व्यक्त की।

राज्य में तीन स्थानों पर महालक्ष्मी सरस प्रदर्शनी आयोजित की जाती है और इसके माध्यम से लगभग 100 करोड़ रुपये का कारोबार होता है। इससे महिलाओं के उद्योगों को बड़ा प्रोत्साहन मिल रहा है और आगे भी उन्हें अधिक अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। ग्रामविकास विभाग के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं और महिलाएं अर्थव्यवस्था का प्रमुख हिस्सा बन रही हैं, ऐसा भी मुख्यमंत्री ने कहा।

राज्य में 'लखपति दीदी' अभियान के तहत 1 करोड़ महिलाओं को सक्षम बनाने का लक्ष्य रखा गया है। पहले चरण में 13 जिलों में 'उमेद मॉल' बनाए जाएंगे और चरणबद्ध तरीके से सभी 36 जिलों में इन्हें स्थापित किया जाएगा, ऐसा ग्रामविकास मंत्री जयकुमार गोरे ने बताया।

नागपुर में महालक्ष्मी सरस प्रदर्शनी का आयोजन बहुत अच्छा हुआ है और आयोजकों को 100 में से 100 अंक दिए जाते हैं। साथ ही महिलाओं के लिए यह बाजार हर वर्ष नागपुर में उपलब्ध कराया जाएगा।

महिलाओं के कौशल को बढ़ाने, उनके उत्पादों की पहचान और विपणन करने तथा उन्हें विदेशों तक पहुंचाने के लिए शासन कार्य करेगा, ऐसा भी उन्होंने कहा।

नवसखी उद्योगिनी योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक सहायता देने का कार्य मंत्री बावनकुळे के मार्गदर्शन में किया गया, जिसके अंतर्गत महिला बचत समूहों को 1 लाख रुपये उपलब्ध कराए गए और इससे महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है, ऐसा मत राज्यमंत्री आशिष जयस्वाल ने व्यक्त किया।

इस अवसर पर नागपुर जिला परिषद द्वारा चलाए गए नवाचारों जैसे दीदी की रसोई उपहारगृह, प्रोजेक्ट ड्रीम 100 ग्राम पुस्तकालय, 14 सूचना प्रौद्योगिकी प्रयोगशालाएं जिला परिषद विद्यालयों में, कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रयोगशाला चलित वाहन, सुपर 40 आंगनवाड़ी, गुरुकुल कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रयोगशाला आदि का लोकार्पण किया गया और मुख्यमंत्री ने इन कार्यों की सराहना की। साथ ही भविष्य में 100 से अधिक पुस्तकालय स्थापित करने की योजना का शुभारंभ भी मुख्यमंत्री के हाथों हुआ।

इसके साथ ही महालक्ष्मी सरस में महिला बचत समूहों के स्टॉलों का दौरा कर महिलाओं से संवाद किया गया और उनके उत्पादों की बिक्री, बाजार में प्रतिक्रिया तथा समस्याओं की जानकारी ली गई।

इस अवसर पर उमेद अभियान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निलेश सागर, नगर निगम आयुक्त तथा जिलाधिकारी डॉ. विपिन इटनकर, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनायक महामुनी, उमेद अभियान के मुख्य संचालन अधिकारी निखिल ओसवाल, परियोजना संचालिका अंशुजा गराटे, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी कपिलनाथ कलोडे, सभी विभाग प्रमुख, समूह विकास अधिकारी, उमेद अभियान के जिला व तालुका स्तर के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं।

कार्यक्रम के अंत में आभार अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. कमलकिशोर फुटाणे ने व्यक्त किया, जबकि संचालन अमोल बाविस्कर ने किया।

मानवता के बड़े हित में युद्धविराम के लिए अंतरराष्ट्रीय जनसंपर्क समुदाय की अपील

नई दिल्ली, भारत - अंतरराष्ट्रीय जनसंपर्क समुदाय विश्व नेताओं से आग्रह करता है कि वे मानवता को प्राथमिकता दें और तत्काल युद्धविराम पर सहमत हों। युद्ध का मानव जीवन, वैश्विक संसाधनों और अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर विनाशकारी प्रभाव पड़ रहा है, जो एक सामूहिक चिंता का विषय है।

मुख्य चिंताएं:

मानव जीवन की अपूरणीय हानि और आघातः युद्ध में निर्दोष लोगों की मौत हो रही है, परिवार टूट रहे हैं, और भविष्य की पीढ़ियों को स्थायी आघात पहुंच रहा है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने वाले महत्वपूर्ण संसाधनों की कमीः युद्ध में पेट्रोलियम जैसे महत्वपूर्ण संसाधनों की कमी हो रही है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्थिर हो रही है और नागरिकों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

अपरिवर्तनीय पर्यावरण क्षरणः युद्ध में पर्यावरण को गंभीर और स्थायी नुकसान पहुंच रहा है, जिससे वायु, जल और भूमि प्रदूषण हो रहा है और भविष्य में जीवन को चुनौतीपूर्ण बना रहा है।

राष्ट्रों के बीच विश्वास का क्षरण, कूटनीति और शांति को बाधित करनाः युद्ध में राष्ट्रों के बीच विश्वास टूट रहा है, जिससे कूटनीति और शांति की संभावना कम हो रही है।

कार्रवाई का आह्वानः

तत्काल और स्थायी युद्धविराम

मूल कारणों को संबोधित करने वाली सकारात्मक वार्ता

विश्व नेताओं के बीच खुला और ईमानदार संवाद

अंतरराष्ट्रीय जनसंपर्क समुदाय का मानना है किः

संवाद और कूटनीति स्थायी समाधान के लिए आवश्यक हैं।

विश्व नेताओं को मानवता के हित में युद्धविराम पर सहमत होना चाहिए।

हमें शांति और सहयोग के लिए काम करना चाहिए।

'सोसायटी अचिव्हर्स' के कवर पेज पर मंत्री पंकजा मुंडे!

'नैतिक नेतृत्व' के कार्य की सराहना

मुंबई। राज्य की पर्यावरण एवं पशुपालन मंत्री पंकजा मुंडे के प्रभावी नेतृत्व को ध्यान में रखते हुए प्रसिद्ध अंग्रेजी पत्रिका 'सोसायटी अचिव्हर्स' ने उनकी विशेष बातचीत के साथ उन्हें कवर पेज पर स्थान दिया है। 'नैतिक नेतृत्व का कोई विकल्प नहीं है' इन शब्दों में उनके राजनीतिक और सामाजिक सफर की सराहना की गई है।

पत्रिका का विशेष अंक इस वर्ष प्रकाशित हुआ है और देश-विदेश के बड़े पाठक वर्ग तक पहुंचा है। अध्ययनशील, साहसी और जनहित में निर्णय लेने वाली नेता के रूप में मंत्री पंकजा मुंडे ने राज्य की राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई है। पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और पशुपालन विभाग में मंत्री के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने जो पहल की है, उसका विस्तृत विवरण इस बातचीत में प्रस्तुत किया गया है।

पत्रिका की संपादिका एंड्रिया कोस्टबीर ने यह विशेष बातचीत ली है और मंत्री पंकजा मुंडे के कार्यकाल के विभिन्न चरणों और पहलुओं को आकर्षक चित्रों के साथ प्रस्तुत किया गया है। इस अंक में विभिन्न क्षेत्रों की सफल महिलाओं की बातचीत भी शामिल की गई है।

विशेष अंक का प्रकाशन रामटेक निवास स्थान पर

शनिवार को संपादिका एंड्रिया कोस्टबीर और अशोक धामणकर ने रामटेक स्थित शासकीय निवास स्थान पर मुलाकात कर मंत्री पंकजा मुंडे के हाथों इस विशेष अंक का प्रकाशन कराया। इसके बाद मीडिया से बात करते हुए पंकजा मुंडे ने कहा, 'सोसायटी अचिव्हर्स पत्रिका ने अपनी कवर कहानी में मुझे स्थान दिया, इसके लिए मैं पूरी टीम का दिल से धन्यवाद करती हूं। मेरे सफर की झलक इस अंक के माध्यम से पाठकों तक पहुंच रही है, इसे अवश्य पढ़ें।'

जैन समाज की सेवा, त्याग और अहिंसा की परंपरा समाज के लिए प्रेरणादायी-उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन

मुंबई। जैन समाज ने समाजसेवा, दान, अहिंसा और त्याग के मूल्यों पर आधारित कार्यों के माध्यम से समाज के सामने प्रेरणादायी आदर्श प्रस्तुत किया है, ऐसा प्रतिपादन उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने किया। लोकभवन के दरबार हॉल में आयोजित 64वें जैन दीक्षा समारोह के अवसर पर वे बोल रहे थे।

इस कार्यक्रम में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, कौशल, रोजगार, उद्यमिता और नवाचार मंत्री मंगल प्रभात लोढा, अध्यात्म परिवार ट्रस्ट के विश्वस्त व दानदाता बाबूलालजी बन्साली, हितेंद्र माणेकजी, राजेश चंदन तथा ट्रस्ट के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने कहा कि जैन समाज देशभर में विभिन्न माध्यमों से समाजहित का कार्य कर रहा है और सेवा ही जैन धर्म की पहचान है। 64 लोगों द्वारा दीक्षा ग्रहण करना अत्यंत प्रेरणादायी है, जिससे संयम, सादगी और आध्यात्मिकता का संदेश समाज को मिलता है। भगवान महावीर द्वारा दिए गए अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांतवाद के संदेश आज के समय में और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं। संवाद, सहिष्णुता और सभी जीवों के प्रति करुणा के मूल्यों से ही शांति और स्थिरता का मार्ग प्राप्त हो सकता है, ऐसा उन्होंने स्पष्ट किया।

तमिलनाडु और जैन धर्म के ऐतिहासिक संबंध का

राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा

वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में जैन धर्म के

का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने जैन समाज द्वारा साहित्य, संस्कृति और ज्ञान के क्षेत्र में दिए गए योगदान की सराहना की। जैन दर्शन के जीवन मूल्य आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं, ऐसा उन्होंने कहा।

जैन धर्म का संदेश शांति, संयम और समन्वय मूल्य मानवता को शांति, संतुलन और संयम का मार्ग दिखाते हैं, ऐसा राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने कहा। उन्होंने बताया कि आधुनिक जीवनशैली अक्सर उपभोक्तावाद और इच्छाओं के निरंतर पीछा करने को बढ़ावा देती है, जबकि भारतीय संस्कृति ने हमेशा सादगी, संयम और आत्मत्याग को महत्व दिया है। आज के भौतिकवादी युग में विभिन्न क्षेत्रों के लोग दीक्षा का मार्ग अपना रहे हैं, यह अत्यंत प्रेरणादायी है। भगवान महावीर के आध्यात्मिक मार्ग पर चलते हुए जैन आचार्यों ने भारतीय संस्कृति को स्थायी मूल्यों से समृद्ध किया है, ऐसा उन्होंने कहा।

महाराष्ट्र में क्या सरकार की मंजूरी से गुटखा निर्माण? सचिव की भूमिका से मामला पहुंचा अदालत, याचिका में क्या है?

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई : महाराष्ट्र में पहले से ही नशीले पदार्थों की बिक्री को लेकर विवाद चल रहा है, ऐसे में अब सरकार की मंजूरी से गुटखा और हुक्का निर्माण की संभावना को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। महाराष्ट्र के वैद्यकीय शिक्षा और औषधि विभाग के सचिव धीरज कुमार द्वारा अदालत में पेश की गई सरकारी भूमिका के कारण यह मामला चर्चा में आया है। इसी आधार पर गुटखा और हुक्का कारोबारियों ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है, जिसमें मांग की गई है कि जिस तरह एक हुक्का व्यापारी को छूट दी गई, वैसी ही अनुमति सभी को दी जाए।

उच्च न्यायालय ने इस याचिका को स्वीकार कर लिया है और जल्द ही इस पर सुनवाई होने की उम्मीद है।

विभिन्न कंपनियों पर छापेमारी

जानकारी के अनुसार दिसंबर 2025 में आयुर्वेदिक हुक्का के नाम पर अवैध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद कार्रवाई की गई। भिवंडी की एक कंपनी और पुणे की एक अन्य कंपनी पर

छापेमारी की गई। जांच में उत्पादों में निकोटिन सहित कई प्रतिबंधित पदार्थ पाए गए। इसके बाद करीब 10 करोड़ रुपये का माल जब्त किया गया और उत्पादन केंद्र को सील कर दिया गया।

इस कार्रवाई में कुछ कर्मचारियों को गिरफ्तार भी किया गया।

आरोपियों ने इस कार्रवाई के खिलाफ अदालत का रुख किया और जब्त माल वापस देने की मांग की, लेकिन निचली अदालतों ने इसे खारिज कर दिया और जमानत भी नहीं दी। बाद में उच्च न्यायालय में भी गुन्हा रद्द करने की मांग खारिज कर दी गई।

आरोपी की याचिका और नया विवाद

इसके बाद आरोपियों ने पुनर्विचार याचिका दायर की। इसी दौरान सचिव धीरज कुमार ने अदालत में एक पत्र देकर यह कहा कि जब्त माल को नष्ट करने के बजाय पुलिस सुरक्षा में दूसरे राज्य में भेजा जा सकता है। इस आधार पर अदालत ने माल छोड़ने का आदेश दे दिया।

इस फैसले के बाद यह संकेत गया कि महाराष्ट्र में प्रतिबंधित उत्पाद बनाकर उन्हें अन्य राज्यों में बेचा जा सकता है। इसी आधार पर अब गुटखा कारोबारियों ने राज्य में गुटखा निर्माण की अनुमति मांगी है।

इस पूरे मामले में सचिव की भूमिका पर राजनीतिक हलकों में नाराजगी देखी जा रही है। सवाल उठाया जा रहा है कि जब राज्य में गुटखा निर्माण, परिवहन और बिक्री पर प्रतिबंध है, तो बिना सरकार की मंजूरी के इतना बड़ा निर्णय कैसे लिया गया। इस मुद्दे पर विधायक हिरामण खोसकर ने भी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर अपनी नाराजगी व्यक्त की है।

फिर राज्य पर संकट! बेमौसम बारिश होगी, इतने जिलों में असर

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पिछले कुछ दिनों से मौसम में लगातार बदलाव देखा जा रहा है। कभी बारिश तो कभी गर्मी का माहौल बना हुआ है। इसी बीच भारतीय मौसम विभाग ने बड़ा अलर्ट जारी किया है कि आने वाले कुछ दिनों तक बेमौसम बारिश जारी रहेगी। मार्च महीने में भी लगातार बारिश हो रही है। पिछले तीन-चार दिनों से कई जगहों पर बारिश और ओलावृष्टि हुई है, जिससे फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। पहले 20 मार्च 2026 तक बारिश का अनुमान था, लेकिन अब आगे भी कुछ दिनों तक बारिश जारी रहने की चेतावनी दी गई है।

रविवार, सोमवार और मंगलवार को भी राज्य के कई हिस्सों में बारिश होने की संभावना जताई गई है। आज भी कुछ क्षेत्रों में बेमौसम बारिश हो सकती है।

इन जिलों में बारिश की संभावना

परभणी, बीड, धाराशिव, लातूर, पुणे, सांगली, कोल्हापुर, सातारा, नांदेड, हिंगोली, गोंदिया, यवतमाल और चंद्रपुर जिलों में मंगलवार को तेज हवा और बारिश होने का अनुमान है। वहीं रायगढ़,

ठाणे और मुंबई में गर्मी बढ़ने की संभावना है।

फसलों को भारी नुकसान

18 और 19 मार्च को हुई बारिश और ओलावृष्टि से कई जगहों पर फसलों को नुकसान पहुंचा है। निफाड़ क्षेत्र में अंगूर, प्याज, मक्का और गेहूं की फसल को भारी क्षति हुई है। बदनापुर क्षेत्र में भी तेज बारिश और तूफानी हवाओं से रबी फसल प्रभावित हुई है।

गेहूं, ज्वार और अन्य फसलें कई जगह गिर गई हैं, जिससे उत्पादन में भारी कमी की आशंका है। इससे पहले से आर्थिक संकट झेल रहे किसानों पर और दबाव बढ़ गया है।

किसानों की मांग है कि सरकार तुरंत नुकसान का आकलन कर उचित मुआवजा दे, ताकि उन्हें राहत मिल सके।

दुष्कर्म मामले में स्वंयभू बाबा अशोक खरात पर सीएम फडणवीस सख्त, एसआईटी जांच में जुटी पुलिस

महाराष्ट्र के नासिक में स्वयंभू बाबा अशोक खरात पर दुष्कर्म के आरोप में कार्रवाई तेज हो गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि डीजीपी निगरानी में जांच चल रही है और कोई नहीं बचेगा। एसआईटी का गठन किया गया है। फडणवीस ने मामले के राजनीतिकरण से बचने की अपील की और विपक्ष के नेताओं ममता बनर्जी व राहुल गांधी के बयानों पर भी पलटवार किया।

महाराष्ट्र में खुद को बाबा बताने वाले आरोपी पर लगे दुष्कर्म के आरोप ने सियासी और प्रशासनिक हलकों में हलचल मचा दी है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने साफ कर दिया है कि इस मामले में किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा और जांच सख्ती से आगे बढ़ेगी।

नासिक पुलिस ने अशोक खरात नाम के एक स्वयंभू बाबा को एक महिला की शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उसने 35 वर्षीय महिला के साथ तीन साल तक कई बार दुष्कर्म किया। फडणवीस ने बताया कि इस मामले की जांच अब उच्च स्तर पर की जा रही है और डीजीपी खुद इसकी निगरानी कर रहे हैं।

एसआईटी जांच में जुटी

सरकार ने इस मामले की जांच के लिए विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया है। यह टीम नासिक पुलिस के साथ मिलकर पूरे मामले की तह तक जाएगी। फडणवीस ने कहा कि खुफिया जानकारी के आधार पर यह मामला सामने आया और अब हर पहलू की गहराई से जांच की जा रही है।

'राजनीति न करें, सबूत दें'

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग इस मामले को राजनीतिक रंग देने की कोशिश कर रहे हैं, जो सही नहीं है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के पास कोई सबूत है, वे आगे आएं और पुलिस की मदद करें। बिना कारण राजनीति करना इस मामले को कमजोर कर सकता है।

गर्मी से पहले महंगाई का करंट! एसी, फ्रिज पर 12 प्रतिशत तक कीमतों में बढ़ोतरी

मुंबई। देश के कई हिस्सों में हाल ही में हुई बेमौसम बारिश के बाद एयर कंडीशनर (एसी) बनाने वाली कंपनियां सतर्क हो गई हैं। कंपनियों को आशंका है कि इससे गर्मी की शुरुआत में एसी की मांग प्रभावित हो सकती है, जबकि यही समय उनकी बिक्री के लिए सबसे अहम होता है। उद्योग जगत की चिंता सिर्फ मौसम तक सीमित नहीं है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण कच्चे माल, खासकर प्लास्टिक की कीमतें बढ़ रही हैं। साथ ही एलपीजी गैस की आपूर्ति भी कम हो गई है, जिससे उत्पादन पर असर पड़ रहा है।

कंपनियों का कहना है कि प्लास्टिक महंगा होने से वॉशिंग मशीन और फ्रिज जैसे बड़े घरेलू उपकरणों की कीमतें 10 से 12 प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं। आमतौर पर मार्च महीने में गर्मी बढ़ने लगती है और ठंडक प्रदान करने वाले उत्पादों की मांग तेज हो जाती है, लेकिन इस बार मौसम के बदले रुख से कंपनियां असमंजस में हैं। हालांकि, उन्हें उम्मीद है कि अप्रैल में तापमान बढ़ेगा और मांग भी सुधरेगी। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के उपकरण कारोबार के प्रमुख कमल नंदी ने कहा कि अगले हफ्ते के बाद दिल्ली और उत्तर भारत में तापमान बढ़ने के संकेत हैं।

उन्होंने कहा कि अभी बिक्री पर असर को लेकर कुछ कहना जल्दबाजी होगी। नंदी ने कहा कि कंपनियां इस साल पहले ही कीमतें बढ़ा चुकी हैं, जब जनवरी से नए ऊर्जा लेबलिंग नियम लागू हुए। अब कच्चे माल और ढुलाई लागत बढ़ने के कारण अप्रैल में फिर से कीमतें बढ़ाई जा सकती हैं। गोडरेज ने एक अप्रैल से एसी की कीमतों में पांच से 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी का संकेत दिया है। हायर इंडिया के अध्यक्ष एन. एस. सतीश ने बताया कि कारखानों को मिलने वाली एलपीजी गैस की आपूर्ति कम कर दी गई है।

अगर यह स्थिति बनी रहती है तो गर्मी के व्यस्त सीजन से पहले उत्पादन में 20 से 30 प्रतिशत तक कटौती करनी पड़ सकती है। सरकार ने घरेलू रसोई गैस को प्राथमिकता देने के लिए उद्योगों को मिलने वाली एलपीजी आपूर्ति को उनकी औसत खपत के 80 प्रतिशत से घटाकर 65 प्रतिशत कर दिया है। इससे एसी विनिर्माण में इस्तेमाल होने वाली प्रक्रियाओं पर असर पड़ रहा है।

सतीश ने यह भी कहा कि प्लास्टिक महंगा होने से कंपनियों की लागत बढ़ रही है और इसका असर ग्राहकों पर पड़ेगा। उन्होंने बताया कि वॉशिंग मशीन की कुल लागत का करीब 20 प्रतिशत हिस्सा प्लास्टिक का होता है, इसलिए कीमतें बढ़ाना जरूरी हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि कीमतें बढ़ने पर ग्राहक महंगे मॉडल के बजाय सस्ते या कम क्षमता वाले उत्पाद खरीद सकते हैं।

सम्पादकीय

पश्चिम एशिया संकट : तेल और गैस ठिकानों पर हमलों से दुनिया में ऊर्जा संकट का खतरा

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह चिंता गहरा रही है कि अगर इसका स्वरूप और बिगड़ता गया, तो आने वाले दिनों में संकट का दायरा ज्यादा व्यापक और गंभीर हो सकता है। सच यह है कि इजराइल और अमेरिका के ईरान पर साझा हमले के बाद अब युद्ध ने जो रुख अख्तियार कर लिया है, उसमें शांति की उम्मीद फिलहाल धुंधली लग रही है।

हमले के क्रम में जिस तरह स्कूली बच्चों और आम लोगों तक की फिक्र नहीं की गई, उसे लेकर पहले ही अंतरराष्ट्रीय कानूनों के उल्लंघन के कई सवाल उठे हैं। अब हालात का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि हमलों का निशाना अब दोनों पक्षों के तेल और गैस के वे ठिकाने बन रहे हैं, जिसका वैश्विक स्तर पर गंभीर असर पड़ेगा।

खासतौर पर युद्ध के आगे बढ़ने के साथ-साथ खाड़ी के कई देशों में हालात बेहद जटिल होते जा रहे हैं। गौरतलब है कि इजराइल ने बुधवार को ईरान में स्थित दुनिया के सबसे बड़े प्राकृतिक गैस सुविधा केंद्र पर हमला किया। इसके जवाब में ईरान ने गुरुवार को कतर के रास लाफान के ठिकाने को निशाना बनाया, जो वहां मुख्य तरल प्राकृतिक गैस को तैयार करने वाला मुख्य केंद्र है।

ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच युद्ध की वजह से कच्चे तेल की आपूर्ति पहले ही कई स्तरों पर बाधित है और इसका स्वाभाविक असर इसकी कीमतों पर पड़ रहा है। पिछले कुछ दिनों के भीतर कच्चे तेल के दाम में तेज बढ़ोतरी और वैश्विक स्तर पर कमजोरी के रुख से शेयर बाजार में गुरुवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

एक ओर, बीएसई सूचकांक में करीब 2500 अंक की बड़ी गिरावट हुई, वहीं एनएसई निफ्टी 775 अंक लुढ़क गया। जून, 2024 के बाद इसे सूचकांक में एक दिन में सबसे बड़ी गिरावट बताया गया है। इस तरह की स्थिति को कई बार अन्य कारकों से भी जोड़ा जाता है, लेकिन इस बार वैश्विक स्तर पर तस्वीर लगभग साफ है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच अब ऊर्जा के बुनियादी ढांचों या तेल एवं गैस संयंत्रों पर हमलों में तेजी के बाद कच्चे तेल के दाम में काफी उछाल आया है।

इसका एक स्वाभाविक असर निवेशकों की धारणा पर पड़ा है, जिनके भीतर मौजूदा उथल-पुथल को लेकर एक तरह का असुरक्षाबोध पैदा हुआ है। दरअसल, जब से ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को रोका है, उसके बाद दुनिया भर में तेल और गैस की आपूर्ति भी बाधित हुई है। भारत जैसे कई देश इससे बुरी तरह प्रभावित हुए हैं और तेल तथा गैस के लिए वैकल्पिक स्रोतों की ओर देख रहे हैं। इस क्रम में भारत ने रूस से तेल खरीद बढ़ाई है।

मगर अब पश्चिम एशिया के युद्ध में शामिल दोनों पक्षों की ओर से जिस तरह प्राकृतिक गैस का उत्पादन करने वाले केंद्रों और ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया जा रहा है, उससे संकट और ज्यादा गहराने की आशंका खड़ी हो रही है। जैसे-जैसे हमलों का स्वरूप जटिल होता जा रहा है, तेल और गैस की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हो रही है। खासतौर पर कतर के रास लाफान पर हमले के बाद भारत को होने वाली प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित होने की आशंका है।

जाहिर है, भारत को अब प्राकृतिक गैस की जरूरत के लिए आस्ट्रेलिया और रूस जैसे अन्य देशों की ओर देखना पड़ सकता है। मगर सबसे ज्यादा जरूरी यह है कि अब प्राकृतिक गैस के रणनीतिक भंडारण के विकल्प को ठोस आकार देना होगा।

मोबाइल की चमक में धुंधलाते रिश्ते, डिजिटल दौर में संवाद, संवेदना और अपनापन खोता इंसानी जीवन

समय का पहिया हमेशा आगे बढ़ता है और उसके साथ जीवन की रफ्तार भी बदलती रहती है। हर युग अपनी नई सुविधाओं और चुनौतियों के साथ आता है। आज तकनीक का समय है, जहां मोबाइल फोन केवल संवाद का माध्यम नहीं रहा, बल्कि जीवन की धुरी बन गया है। इस छोटे-से उपकरण ने दुनिया को हमारी हथेली पर ला दिया है। जानकारी, मनोरंजन, संवाद और काम- सब कुछ एक ही स्क्रीन पर सिमट गया है। मगर इसी चमकती स्क्रीन की रोशनी में एक सच्चाई धीरे-धीरे उभर रही है- हमारे रिश्ते धुंधले पड़ते जा रहे हैं।

एक समय था जब घरों में शाम का समय जीवंत होता था। दिनभर की व्यस्तता के बाद परिवार के सदस्य एक जगह बैठते, अपने अनुभव साझा करते और छोटी-छोटी बातों में भी अपनापन झलकता था। आंगन में बैठकर चाय की चुस्कियों के साथ बातें करना, बुजुर्गों की सलाह सुनना और बच्चों की शरारतों पर मुस्कुराना- ये सब जीवन की सहज लय का हिस्सा था। मगर अब वही दृश्य धीरे-धीरे बदल रहा है। परिवार के सदस्य एक ही कमरे में मौजूद तो होते हैं, पर उनके बीच संवाद की जगह मोबाइल की स्क्रीन ने ले ली है।

मोबाइल ने संवाद को आसान जरूर बनाया है, लेकिन उसने संवाद की प्रकृति को भी बदल दिया है। पहले जहां आमने-सामने बैठकर बात करने में भावनाएं स्पष्ट दिखाई देती थीं, वहीं अब शब्द स्क्रीन पर भेजे जाते हैं। भावनाओं की जगह 'इमोजी' ने ले ली है और बातचीत में संवेदना का एहसास कहीं कम होता है।

डिजिटल संदेशों की गति भले तेज हो गई हो, मगर उनमें वह आत्मीयता नहीं होती, जो आमने-सामने की बातचीत में होती है। इस बदलाव का सबसे बड़ा असर रिश्तों की गहराई पर पड़ रहा है। रिश्ते केवल शब्दों से नहीं, बल्कि समय, संवेदना और साथ बिताए गए क्षणों से मजबूत होते हैं। जब हम अपने प्रियजनों के साथ बैठकर उनके सुख-दुख सुनते हैं, तभी संबंधों की डोर मजबूत होती है। लेकिन जब वही समय मोबाइल की स्क्रीन को दे दिया जाता है, तो रिश्तों की गर्माहट धीरे-धीरे कम होने लगती है। यह बदलाव धीरे-धीरे जीवन का हिस्सा बन जाता है।

आज के समय में मोबाइल संवाद के माध्यम के साथ मनोरंजन का सबसे बड़ा साधन भी बन गया है। सोशल मीडिया की दुनिया में लोग घंटों व्यस्त रहते हैं। वहां लाइक, टिप्पणियां, प्रतिक्रियाएं और 'फालोअरों' की संख्या एक अलग ही संतोष देती है। मगर यह संतोष अक्सर क्षणिक होता है। आभासी दुनिया की यह चमक वास्तविक जीवन के रिश्तों की सादगी और गहराई की बराबरी नहीं कर सकती।

यह स्थिति केवल परिवार तक सीमित नहीं है। मित्रता के रिश्तों में भी इसका असर दिखाई देता है। पहले मित्रों के साथ मिलने-जुलने का अलग ही आनंद होता था। साथ बैठकर बातचीत करना, हंसी-मजाक करना और जीवन के अनुभव साझा करना- ये सब मित्रता को गहराई देते थे। अब मित्रता का बड़ा हिस्सा मोबाइल स्क्रीन तक सीमित हो गया है। संदेशों और पोस्ट के जरिए संपर्क बना रहता है, मगर उस आत्मीयता की कमी महसूस होती है, जो आमने-सामने मिलने में होती थी।

मोबाइल के अत्यधिक उपयोग का असर बच्चों और युवाओं पर भी दिखाई दे रहा है। नई पीढ़ी तकनीक के साथ जन्म से ही जुड़ी हुई है। उनके लिए मोबाइल केवल एक साधन नहीं, बल्कि जीवन का स्वाभाविक हिस्सा बन चुका है। मगर इसी कारण उनके सामाजिक व्यवहार में भी बदलाव दिखाई देता है। कई बार बच्चे और युवा अपने परिवार और आसपास के लोगों के साथ कम समय बिताते हैं और डिजिटल दुनिया में अधिक सक्रिय रहते हैं। इससे उनके भीतर संवाद की सहजता और संवेदनशीलता प्रभावित हो सकती है।

समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग के तरीके में है। तकनीक मानव जीवन को आसान बनाने के लिए बनी है, लेकिन जब वही तकनीक जीवन पर हावी होने लगे, तो संतुलन बिगड़ने लगता है। मोबाइल हमें दुनिया से जोड़ सकता है, जानकारी दे सकता है और कई काम आसान बना सकता है। मगर वह रिश्तों की जगह नहीं ले सकता। रिश्तों की असली ताकत उस समय में होती है जो हम एक-दूसरे के साथ बिताते हैं। जब हम अपने परिवार, मित्रों और प्रियजनों के साथ खुलकर बातचीत करते हैं, उनके अनुभव सुनते हैं और अपनी भावनाएं साझा करते हैं, तभी संबंधों की गहराई बढ़ती है। यह वह अनुभव है, जिसे कोई भी डिजिटल माध्यम नहीं दे सकता।

आज जरूरत इस बात की है कि हम तकनीक के साथ संतुलन बनाना सीखें। मोबाइल का उपयोग आवश्यक कामों और सीमित मनोरंजन के लिए किया जा सकता है, लेकिन उसे जीवन का केंद्र नहीं बनाना चाहिए। यदि हम दिन के कुछ समय को मोबाइल से दूर रखकर अपने परिवार और मित्रों के साथ बिताएं, तो शायद रिश्तों की वह गर्माहट फिर से लौट सकती है, जो धीरे-धीरे धुंधली होती जा रही है।

आधुनिक जीवन की व्यस्तताओं के बीच मोबाइल कई बार जरूरी साधन बन जाता है। कामकाज, जानकारी और संपर्क के लिए यह उपयोगी है, लेकिन जब हम थोड़ी देर के लिए इस चमकती स्क्रीन से नजर उठाकर अपने आसपास के लोगों की आंखों में देखते हैं, तो हमें एहसास होता है कि असली जीवन वहीं है- उन रिश्तों में, मुस्कानों में और संवादों में, जो किसी भी डिजिटल संदेश से कहीं अधिक सच्चे और गहरे होते हैं।

शायद समय की यही मांग है कि हम तकनीक को अपना सहयोगी बनाएं, स्वामी नहीं। मोबाइल की रोशनी जीवन को आसान जरूर बना सकती है, लेकिन रिश्तों की असली रोशनी हमारे दिलों और संवादों में ही बसती है। अगर हम इस सच्चाई को समझ लें, तो संभव है कि मोबाइल की चमक के बीच भी हमारे रिश्तों की गर्माहट कभी धुंधली न पड़े।

ईरान की सीमाओं पर दिख रही दर्दनाक कहानियाँ, भाग जाना चाहते हैं लोग मगर पड़ोसी देशों ने दरवाजे कर रखे हैं बंद

पश्चिम एशिया और मध्य पूर्व इस समय सिर्फ युद्ध का मैदान नहीं, बल्कि इंसानी त्रासदी का सबसे खौफनाक मंच बन चुका है। ईरान पर हो रहे हमलों ने सिर्फ इमारतों को नहीं गिराया, बल्कि वहां के लोगों की जिंदगी की बुनियाद ही हिला दी है। शहरों में धुएं के गुबार हैं, सायरनों की आवाजें हैं और हर तरफ एक ही सवाल गूंज रहा है कि अब जाएं तो जाएं कहां?

तेहरान से लेकर सीमावर्ती इलाकों तक, लोग अपने घर, अपनी जमीन, अपना सब कुछ छोड़कर निकल पड़े हैं। लेकिन यह कोई सामान्य पलायन नहीं है। यह मजबूरी का वह काफिला है जो हर कदम पर अनिश्चितता से टकरा रहा है। लाखों लोग अपने ही देश में विस्थापित हो चुके हैं और जो सीमा की तरफ बढ़ रहे हैं, उनके सामने नई मुश्किलें खड़ी हैं।

ईरान की सीमाएं आज खुली कम और उलझी ज्यादा नजर आ रही हैं। तुर्की की सीमा पर हजारों लोग पहुंच रहे हैं, लेकिन वहां उनका स्वागत नहीं, बल्कि रोक इंतजार कर रही है। सख्त जांच, सीमित प्रवेश और अस्थायी शिविरों की योजना यह साफ संकेत देती है कि पड़ोसी देश इस बार दरवाजे पूरी तरह खोलने के मूड़ में नहीं हैं। सीरिया संकट से मिली सीख ने उन्हें सतर्क बना दिया है।

अजरबैजान ने कुछ सीमित राहत जरूर दी है, लेकिन यह राहत चुनिंदा लोगों तक ही सीमित है। आम ईरानी नागरिक के लिए सीमा पार करना अब किसी जुए से कम नहीं। लोग कई दिनों तक सीमा के पास फंसे रहते हैं, बिना भोजन, बिना सुरक्षा और बिना किसी भरोसे के। सबसे दर्दनाक तस्वीर उन परिवारों की है जो बंट चुके हैं। कोई सदस्य सीमा पार कर गया, तो कोई पीछे छूट गया। बच्चों की पढ़ाई ठप है, अस्पतालों में संसाधनों की कमी है और बाजारों में जरूरी सामान तक मिलना मुश्किल हो गया है। लोग शहरों से निकलकर गांवों और पहाड़ों में शरण ले रहे हैं, जहां कम से कम बमों का खतरा थोड़ा कम है।

हम आपको बता दें कि ईरान के भीतर हालात हर गुजरते दिन के साथ और बदतर होते जा रहे हैं। शहरों में बिजली और पानी की आपूर्ति बार बार ठप हो रही है, अस्पतालों में दवाइयों की कमी गहराती जा रही है और सामान्य इलाज तक मिलना मुश्किल हो गया है। बाजारों में जरूरी सामान या तो गायब है या आसमान छूती कीमतों पर बिक रहा है। लोग घंटों कतारों में खड़े होकर सिर्फ रोटी और ईंधन जुटाने की जद्दोजहद कर रहे हैं। बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह ठहर चुकी है और मानसिक दबाव इतना बढ़ गया है कि हर घर के भीतर डर ने स्थायी जगह बना ली है। यह सिर्फ युद्ध का असर नहीं, बल्कि धीरे धीरे टूटती एक पूरी जिंदगी की तस्वीर है।

लेकिन असली झटका तब लगता है जब पड़ोसी देशों के रुख पर नजर जाती है। सहानुभूति जरूर है, बयान भी हैं, लेकिन जमीन पर दरवाजे बंद हैं। हर देश अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहा है। उन्हें डर है कि अगर यह लहर खुली, तो यह इतिहास का सबसे बड़ा शरणार्थी संकट बन सकती है।

यूरोप पहले से ही संभावित दबाव को लेकर चिंतित है। खाड़ी के देश पूरी तरह अलर्ट मोड में हैं। वहां हालात और भी तनावपूर्ण हैं। बहरीन में सायरन बज रहे हैं, लोगों को घरों में रहने की चेतावनी दी जा रही है। कतर और यूएई जैसे देशों में सुरक्षा इंतजाम कई गुना बढ़ा दिए गए हैं।

हम आपको बता दें कि खाड़ी क्षेत्र में एक देश से दूसरे देश की यात्रा अब आसान नहीं रही। हवाई रास्तों पर खतरा मंडरा रहा है, समुद्री रास्ते तनाव से भरे हैं और हर सीमा पर सख्ती बढ़ा दी गई है। यह सिर्फ ईरान का संकट नहीं रहा, बल्कि पूरे क्षेत्र की स्थिरता को हिला देने वाला दौर बन चुका है। विशेषज्ञों की चेतावनी और भी डरावनी है। उनका कहना है कि अगर यह संघर्ष लंबा खिंचता है, तो विस्थापन का आंकड़ा विस्फोटक रूप ले सकता है। अभी जो स्थिति दिख रही है, वह सिर्फ शुरुआत हो सकती है।

देखा जाये तो ईरान एक ऐसा देश रहा है जिसने वर्षों तक दूसरे देशों के शरणार्थियों को जगह दी, लेकिन आज वही देश अपने नागरिकों को बचाने में जूझ रहा है। यह विडंबना ही है कि जो कभी शरण देता था, आज खुद शरण की तलाश में है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे ज्यादा पीड़ित वही आम इंसान है, जिसके पास न ताकत है, न विकल्प। सीमाएं नक्शे पर खींची जाती हैं, लेकिन उनका बोझ इंसान की जिंदगी पर पड़ता है। आज ईरान की सीमाएं सिर्फ भौगोलिक रेखाएं नहीं रह गई हैं। वे डर, राजनीति और असुरक्षा की दीवार बन चुकी हैं। लोग भाग रहे हैं, लेकिन रास्ते बंद हैं। देश खड़े हैं, लेकिन दिल बंद हैं। और सबसे बड़ा सवाल अब भी वहीं है कि क्या दुनिया सिर्फ देखती रहेगी, या कोई दरवाजा सच में खुलेगा?

शहरों में 'कार' नहीं, 'सांस' प्राथमिकता बनेगी लो एमिशन जोन से बदल सकती है जिंदगी

आज जब हम घर से बाहर निकलते हैं, तो सबसे पहले हमारा सामना वायु प्रदूषण से होता है। सड़कों पर रेंगते अनगिनत वाहन न केवल हमारी यात्रा की गति को धीमा कर रहे हैं, बल्कि हमारे फेफड़ों पर भी गंभीर प्रहार कर रहे हैं। इस विकट समस्या के बीच, परिवहन और विकास नीति संस्थान (आइटीडीपी इंडिया) का हालिया अध्ययन इस तथ्य की पुष्टि करता है कि यदि सरकारें दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ नीतिगत उपाय करें, तो आम नागरिक न केवल प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को त्यागने के लिए तैयार हैं, बल्कि वे परिवहन के स्वच्छ और आधुनिक साधनों की ओर भी आकर्षित हो सकते हैं। इस अध्ययन का सबसे व्यावहारिक सुझाव 'लो एमिशन जोन' यानी 'कम उत्सर्जन क्षेत्र' की शुरुआत करना है, जो शहरी जीवन की गुणवत्ता को पूरी तरह बदलने की क्षमता रखता है।

'कम उत्सर्जन क्षेत्र' का विचार सुनने में सरल है, साथ ही क्रियान्वयन में दूरगामी और व्यापक प्रभाव रखने वाला है। यह एक ऐसा क्षेत्र होता है जहां वाहनों के प्रवेश को उनके उत्सर्जन स्तर के आधार पर विनियमित किया जाता है। सरल शब्दों में कहें, तो शहर के कुछ विशिष्ट और संवेदनशील हिस्सों, जैसे व्यस्त बाजार, ऐतिहासिक धरोहर स्थल या घनी आबादी वाले रिहाइशी इलाकों को ऐसे क्षेत्रों के रूप में चिह्नित किया जाता है, जहां केवल वही वाहन प्रवेश कर सकते हैं, जो प्रदूषण के कड़े मानकों पर खरे उतरते हैं। जो वाहन इन मानकों को पूरा नहीं करते, उन पर या तो भारी जुर्माना लगाया जाता है या उनका प्रवेश वर्जित कर दिया जाता है। यह पूरी अवधारणा 'प्रदूषण फैलाने वाला भुगतान करे' के वैश्विक सिद्धांत पर आधारित है।

जब लोगों को यह महसूस होने लगता है कि निजी वाहन का उपयोग महंगा और असुविधाजनक हो रहा है और उसके एक बेहतर विकल्प के रूप में स्वच्छ, सस्ती और सुगम व्यवस्था उपलब्ध है, तो वे स्वतः ही अपने व्यवहार और जीवनशैली बदलने की दिशा में कदम बढ़ाने लगते हैं। किसी भी सफल शहरी परिवहन नीति के दो मुख्य स्तंभ होते हैं, जिन्हें प्रतिबंध और प्रोत्साहन के रूप में समझा जा सकता है। केवल प्रतिबंध लगा देना या दंडित करना किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं, बल्कि कई बार यह जनता के बीच असंतोष को भी जन्म देता है।

दूसरी ओर, जब एक नागरिक को भरोसा हो जाता है कि वह अपनी कार के बजाय मेट्रो या इलेक्ट्रिक बस से सुरक्षित रूप से और कम खर्च में जल्दी अपने गंतव्य तक पहुंच सकता है, तो वह बिना किसी दबाव के स्वेच्छा से इस बड़े बदलाव का हिस्सा बन जाता है। 'कम उत्सर्जन क्षेत्र' के प्रभाव केवल पर्यावरण की स्वच्छता तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि यह शहरी अर्थव्यवस्था और हमारे सामाजिक ताने-बाने को भी एक नया और सकारात्मक आयाम देते हैं। दुनिया के कई बड़े और प्रतिष्ठित शहरों, जैसे लंदन, पेरिस और बर्लिन के पिछले कुछ वर्षों के अनुभवों से यह स्पष्ट हुआ है कि जहां भी ऐसे प्रतिबंधित क्षेत्र बनाए गए, वहां की वायु गुणवत्ता में 20 से 30 फीसद तक का सुधार दर्ज किया गया। इसके साथ ही एक पहलू यह भी सामने आया कि जहां वाहनों की भीड़ कम हुई, वहां पैदल चलने वालों और साइकिल चलाने वाले लोगों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई। इससे उन क्षेत्रों के स्थानीय बाजारों में व्यापार और आर्थिक गतिविधियों में बढ़ोतरी देखी गई।

हालांकि, भारत जैसे विशाल और घनी आबादी वाले देश में इस तरह की व्यवस्था को लागू करना एक बड़ी चुनौती है। हमारे समाज में आज भी निजी वाहन को सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ कर देखा जाता है, जबकि सार्वजनिक परिवहन को निम्न स्तर का साधन माना जाता रहा है। अब इसी सदियों पुरानी मानसिकता को जड़ से बदलने की पुरजोर वकालत की जा रही है। इसके अनुसार, हमें अब 'वाहनों के लिए सड़क' बनाने के पुराने विचार को छोड़ कर 'लोगों के लिए सड़क' बनाने के आधुनिक सिद्धांत पर दृढ़ता से काम करना होगा।

इसके लिए सबसे पहली और अनिवार्य जरूरत एकीकृत परिवहन प्रणाली की है। यदि कोई व्यक्ति किसी 'कम उत्सर्जन क्षेत्र में' प्रवेश करता है और अपनी कार बाहर छोड़ता है, तो उसके पास अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए अंतिम छोर तक की निर्बाध सुविधा होनी चाहिए। इसका अर्थ यह है कि मेट्रो स्टेशन या बस स्टैंड से उसके कार्यालय या घर तक पहुंचने के लिए साझा साइकिल, इलेक्ट्रिक रिक्शा या छोटी फीडर बसों की निरंतर उपलब्धता होनी चाहिए। इसके अभाव में कोई भी प्रतिबंध जनता के लिए बोझ और परेशानी का सबब बन कर रह जाएगा।

एक अहम बिंदु है–हमारे देश की बढ़ती स्वास्थ्य लागत। भारत के प्रमुख शहरों में वायु प्रदूषण के कारण होने वाली घातक बीमारियों पर सालाना खर्च देश की जीडीपी का एक बहुत बड़ा हिस्सा निगल जाता है। सांस की बीमारियां, अस्थमा और हृदय रोग के मामले भयावह रूप से बढ़ रहे हैं। इनमें सबसे अधिक शिकार मासूम बच्चे और असहाय बुजुर्ग हो रहे हैं। 'कम उत्सर्जन क्षेत्र' जैसे उपाय स्वास्थ्य पर होने वाले इस भारी-भरकम खर्च को कम करने में भूमिका निभा सकते हैं।

'कम उत्सर्जन क्षेत्र' में इलेक्ट्रिक वाहनों को प्राथमिकता देने से न केवल स्थानीय स्तर पर प्रदूषण कम होगा, बल्कि यह देश में स्वच्छ ऊर्जा के बुनियादी ढांचे को भी मजबूत करेगा। जब लोग देखेंगे कि केवल इलेक्ट्रिक वाहनों को ही मुफ्त या रियायती प्रवेश मिल रहा है, तो उनकी रुचि स्वाभाविक रूप से पेट्रोल और डीजल वाहनों से हट कर नई तकनीक की ओर बढ़ेगी। यह बदलाव न केवल पर्यावरण के लिए अनुकूल होगा, बल्कि तेल आयात पर देश की निर्भरता को भी कम करेगा।

मगर इसके लिए शहरों में सेंसर आधारित नेटवर्क और डिजिटल निगरानी को मजबूत करना होगा, ताकि हर नागरिक अपने मोबाइल फोन पर यह देख सके कि जिस सड़क पर वह चल रहा है, वहां की हवा अब कितनी सुरक्षित हो गई है। यह पारदर्शिता सरकार और जनता के बीच विश्वास का एक नया सेतु बनाएगी। अभी तक हमारे शहरों का विस्तार इस तरह से होता आया है कि वे कारों के लिए अधिक सुविधाजनक हों, जिससे पैदल चलने वालों के लिए जगह लगातार सिमटती गई है। जबकि घर-कार्यालय, स्कूल और बाजार एक-दूसरे के इतने करीब होने चाहिए कि किसी को भी बेवजह वाहन निकालने की जरूरत ही न पड़े।

'कम उत्सर्जन क्षेत्र' शहरों में परिवर्तन की शुरुआत का एक छोटा, लेकिन बेहद शक्तिशाली उपाय साबित हो सकता है। जब कोई छोटा-सा इलाका प्रदूषण मुक्त और पैदल चलने योग्य बन जाता है, तो वह पूरे शहर के लिए आदर्श बन जाता है। यदि हमने अब भी परिवहन के अपने पुराने ढर्रे को नहीं बदला, तो महानगर आने वाले समय में कंक्रीट के जंगल और जहरीली गैस का चेंबर बन कर रह जाएंगे, जहां जीवन जीना दूभर हो जाएगा। हमारे पास आधुनिक तकनीक, अनुभव और वैज्ञानिक शोध उपलब्ध हैं। हमें बस सामूहिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता है, ताकि हम नई नीतियों को धरातल पर उतार सकें। यह बदलाव रातों-रात नहीं आएगा, इसके लिए हमें निरंतर प्रयासों की जरूरत होगी।

आज नेशनल पॉल्यूशन कंट्रोल डे है। इसका उद्देश्य लोगों को यह समझाना है कि प्रदूषण सिर्फ हवा को गंदा नहीं करता, बल्कि हमारी जिंदगी, सेहत और आने वाली पीढ़ियों पर गहरा असर छोड़ता है। आज प्रदूषण एक वैश्विक संकट बन चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली और एनसीआर वायु प्रदूषण संकट पर स्वतः संज्ञान लेते हुए सुनवाई की। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हम चाहते हैं कि दीर्घकालिक योजनाएं भी सार्वजनिक हों, उन योजनाओं पर चर्चा और अंतिम रूप दिया जाना आवश्यक है।

उप्र जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ जनपद इकाई का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

शिक्षक समाज का होता है दर्पण : डॉ वीके सिंह

प्रयागराज। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल (पूर्व माध्यमिक) जनपद इकाई प्रयागराज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने जिला पंचायत सभागार में आयोजित समारोह में पद एवं गोपनीयता की आज शपथ ली। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ वीके सिंह, विशिष्ट अतिथि फूलपुर के विधायक दीपक पटेल व पूर्व विधायक प्रशांत सिंह थे। मंडल अध्यक्ष अलका बाजपेई ने विनोद कुमार पांडेय अध्यक्ष, राजेंद्र अनुरागी महामंत्री, विजय सिंह पटेल कोषाध्यक्ष, विनोद कुमार मिश्र, पंकज कुमार त्रिपाठी, रोहिताश्व तिवारी, इंद्रेश कुमार तविारी, प्रमिला शर्मा, दुर्गा जायसवाल, जया शर्मा, कल्पना चौधरी उपाध्यक्ष, ज्योति जायसवाल मंत्री, योगेश प्रताप सिंह, प्रवीन कुमार शुक्ल, निशा शुक्ला, संध्या सिंह, रश्मि शर्मा, मनोरमा मिश्रा, सुमन रविदास, संजय शर्मा संयुक्त मंत्री, मुकेश श्रीवास्तव लेखाकार, सत्यांजलि मिश्रा आय व्यय निरीक्षक भारतेन्द्र कुमार त्रिपाठी मीडिया प्रभारी, रंजना पांडेय प्रवक्ता को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाया।

मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ वीके सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ शिक्षकों के हितों के लिए हमेशा समर्पित होकर कार्य करता रहा हैं।आगे सभी नव निर्वाचित पदाधिकारी निष्ठा पूर्वक कार्य करते रहेंगे।शिक्षक समाज का दर्पण होता है समाज के निर्माण में उसकी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है।विधायक दीपक पटेल ने सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए माल्यार्पण कर व अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया। पूर्व विधायक प्रशांत सिंह ने पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना किया। इस अवसर पर सीमा सिंह प्रांतीय उपाध्यक्ष, भूपेंद्र वीर सिंह वरिष्ठ मंडल उपाध्यक्ष, अनीता पांडेय मंडल उपाध्यक्ष, अजीत प्रताप सिंह, यामवंत सिंह, मनोज पाठक, शकील अहमद, दिलीप यादव, उमापति पांडेय, दिनेश मिश्र, रत्नेश यादव, गुणेश तिवारी, श्यामाकांत द्विवेदी, धर्मेन्द्र पांडेय, अंकिता शुक्ला, शत्रुंजय शर्मा, जितेन्द्र कुमार शर्मा, रामजी संतोषी, संतोष जायसवाल, संजय जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहे। संचालन ब्रह्म प्रकाश तिवारी ने किया।

त्याग तपस्या के बल पर भाजपा का हुआ उदय : महापौर गणेश केसरवानी

प्रयागराज। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान 2026 के अंतर्गत भाजपा खुल्दाबाद मंडल की कार्यशाला मंगल कार्यालय खुल्दाबाद में आयोजित किया गया

इस अवसर कार्यशाला में मुख्य वक्ता महापौर गणेश केसरवानी कार्यकर्ताओं को भारतीय जनता पार्टी की वैचारिक अधिष्ठान एवं पांच निष्ठा के बारे में जानकारी दी और कहा कि भारतीय जनता पार्टी त्याग तपस्या के बल पर उदय हुई है और अपने पांच निष्ठाओं के बल पर राष्ट्रवाद का अलख जगा रही है

उन्होंने आगे कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय किस सिद्धांत पर चलने वाली भारतीय जनता पार्टी है और उनके द्वारा दिए जाने वाला अंत्योदय का सिद्धांत को लेकर केंद्र की मोदी एवं प्रदेश की योगी सरकार लगातार गरीब कल्याण का कार्य कर रही है और उनके जीवन में विकास की रोशनी ला रही है

कार्यशाला की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अपूर्व चंद्रा ने किया संचालन गौरव गुप्ता ने किया कार्यशाला में महानगर की पूर्व मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी, मंडल महामंत्री अनिल विश्वकर्मा उपाध्यक्ष नितिन चौरसिया धीरज कुशवाहा गौरांग छिब्बर मुन्ना शर्मा मंडल मंत्री पूजा जायसवाल अनिल चौहान अचल सोनकर शक्ति केंद्र संयोजक स्वप्निल केसरवानी जितेश श्रीवास्तव सूरज कुमार संजय केसरवानी धीरेंद्र चौहान अनिल चौरसिया दीनबंधु चटर्जी जुबेर अहमद सुधीर केसरवानी धर्मेंद्र चौहान विनोद पाल अनिकेश श्रीवास्तव आर्यन श्रीवास्तव आदित्य कुशवाहा आकाश श्रीवास्तव आकर्ष गुप्ता अजय केसरवानी श्लोक केसरवानी अभिजीत श्रीवास्तव हितेश श्रीवास्तव योगेश्वर मनी बबलू सोनी दिगंबर त्रिपाठी सावन जोगी अनुराग सोनकर राजेश कुशवाहा, मधु सोनकर, कमल वासन , अनिमेष अग्रवाल, सुरेश गुप्ता रजत सोनकर आदि मुख्य रूप से उपस्थित रही

शहीदी दिवस के पूर्व संध्या पर क्रांतिकारी भगत सिंह , सुखदेव राजगुरु को दी गई श्रद्धांजलि

आज भी भारत के जर्रे जर्रे में भगत सिंह का इंकलाब गूंजता है : राजेश केसरवानी

प्रयागराज। अमर क्रांतिकारी श्रद्धांजलि ग्रुप के द्वारा मुंशी राम प्रसाद की बगिया मुट्ठीगंज में शहीदी दिवस के पूर्व संध्या पर क्रांतिकारी भगत सिंह सुखदेव राजगुरु को दीप जलाकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई इस अवसर भाजपा नेता कुमार नारायण एवं ग्रुप वेब अध्यक्ष राजेश केसरवानी ने कहा कि भगत सिंह की इंकलाब की गूंज से अंग्रेजी हुकूमत नींव हिल गई थी उनके द्वारा असेंबली में बम फोड़ जाना और जेल के अंदर रहकर 72 दिनों तक भूखे रहना भारतीयों के लिए एक आंदोलन था जिसके कारण अंग्रेजी हुकूमत को भगत सिंह के सामने झुकना पड़ा और सुखदेव राजगुरु के साथ भगत सिंह को 23 मार्च 1931 को लाहौर की जेल में फांसी की सजा मिली, मां भारती की आजादी के लिए दिया गया यह बलिदान भारत सदैव याद करता रहेगा और आज भी भारत के जर्रे जर्रे में भगत सिंह का इंकलाब गूंजता है।

संचालन शत्रुघ्न जायसवाल ने किया समापन एवं धन्यवाद अजय अग्रहरि ने किया। इस अवसर पर वीर शहीदों को जनहित कारिणी समिति के प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता सुशील जैन, अभिलाष केसरवानी, विवेक अग्रवाल मनोज मिश्रा, नीरज केसरवानी, अशोक गुप्ता सरदार पतविंदर , सरदार परविंदर, मनोज सिंह, अभिमन्यु, आदि ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

एंटी रोमियो टीम द्वारा चलाया गया 'मिशन शक्ति 5.0' फेज 2 अभियान

महिलाओं एवं बालिकाओं को नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन का संदेश देते हुए किया जागरूक

प्रयागराज। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज महोदय व अपर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज महोदय के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त यमुनानगर के कुशल पर्यवेक्षण में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान 'मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण' के तहत जोन यमुनानगर के समस्त थानों की मिशन शक्ति /एंटी रोमियो टीम द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत बालिकाओं व महिलाओं को महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण तथा केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं जैसे- सुकन्या समृद्धि योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, उज्ज्वला योजना, सामूहिक विवाह योजना, चिकित्सा संबंधी आयुष्मान योजना व हेल्पलाइन नंबर जैसे- वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर 1090, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, फायर ब्रिगेड हेल्पलाइन नंबर 101 आदि के बारे में जानकारी दी गई इसके साथ ही साइबर फ्रॉड के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में जागरूक किया गया।

जिला समिति की बैठक आज, तब होगा 47 अभ्यर्थियों का पद स्थापन

प्रयागराज। परिषदीय उच्च प्राथमिक स्कूलों में विज्ञान और गणित विषय की 29334 सहायक अध्यापक भर्ती में चयनित 52 अभ्यर्थियों में से 47 अभ्यर्थियों का पद स्थापन / नियुक्ति पत्र मंगलवार को प्रयागराज में जिला समिति की बैठक में निर्णय के बाद होगा। बीएसए अनिल कुमार ने बताया कि नियुक्त पत्र / पद स्थापन के लिए बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव से निर्देश मांगा गया है। उल्लेखनीय है कि 52 अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग सर्व शिक्षा अभियान कार्यालय मम्फोर्डगंज में हुई थी जिसमें 47 अभ्यर्थी शामिल हुए जबकि पांच अभ्यर्थी काउंसलिंग में शामिल नही हुए थे।

बीएसए अनिल कुमार ने बीईओ होलागढ लालजी शर्मा, बीईओ बहरिया शिव औतार, सैदाबाद बीईओ अखिलेश कुमार, बीईओ कौडिहार क्षमाशंकर और नगर क्षेत्र प्रतिभा सिंह ने अभ्यर्थियों की काउंसलिंग की और उनके सभी शैक्षिक प्रमाण पत्रों को जमा कराया। अभ्यर्थियों ने अपने

साथ लाये सभी मूल शैक्षिक, प्रशिक्षण अभिलेखों, मूल निवास, जाति प्रमाण पत्र व मूल पहचान पत्र (आधार कार्ड व पैन कार्ड) कार्यालय में जमा कराकर उसकी जांच किया। अभ्यर्थी 29334 गणित और विज्ञान भर्ती के आनलाइन आवेदन की प्रति, रजिस्ट्रेशन शुल्क जमा करने की रसीद व पूरित आवेदनपत्र की प्रति जमा किया। निर्धारित शपथपत्र एवं आफलाइन आवेदनपत्र भरकर जनपदीय चयन समिति के समक्ष उपस्थित हुए।

किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाने का आरोप, मुकदमा दर्ज नहीं

थरवई। थाना क्षेत्र के एक गांव से 14 वर्षीय किशोरी को गांव का ही बीस वर्षीय युवक बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का मामला प्रकाश में आया है। घटना को लेकर पीड़िता के पिता ने रविवार को थरवई थाने में तहरीर दी, लेकिन समाचार लिखे जाने तक पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज नहीं किया गया था।पीड़ित पिता के अनुसार उनकी नाबालिग पुत्री को गांव का एक युवक शनिवार रात्रि 9:00 बजे बहला-फुसलाकर अपने साथभगा ले गया है। काफी खोजबीन के बाद भी किशोरी का कोई सुराग नहीं लग सका है। उन्होंने आशंका जताई है कि युवक उनकी पुत्री को कहीं दूर ले गया है। बताया जा रहा है कि किशोरी और आरोपी युवक अलग-अलग जाति के हैं, इस संबंध में थरवई पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

मां कल्याणी देवी का कूष्माण्डा स्वरूप का श्रृंगार दर्शन के लिए भक्तों उमड़ी की भीड़

अहंकार मनुष्य के सद्गुण को खा जाता है-डाक्टर अनिरुद्ध जी महाराज

प्रयागराज। मां कल्याणी देवी मंदिर धाम में चल रहे नवरात्रि महोत्सव के चतुर्थ दिवस पर प्रातःकाल 5 बजे महामंत्री श्याम जी पाठक ने विधि विधान पूर्वक माता कल्याणी की मंगला आरती एवं पूजन कर मां कूष्माण्डा देवी का आह्वान किया और मां कल्याणी देवी का कूष्माण्डा स्वरूप के दर्शन प्राप्त करने के लिए सुबह से मध्य रात्रि तक भक्तों की अपार भीड़ की कतार लगी रही और मां का अनुपम श्रृंगार का दर्शन प्राप्त कर कृत हो गए।

जोर जोर से मां का जयकारा लगाते रहे इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालुओं ने भजन गा कर मां का गुणगान किया और शतचंडी महायज्ञ में अपनी आहुति दी और यज्ञशाला की परिक्रमा करते हुए कल्याण की कामना की। और शाम 7 बजे मां की महाआरती और रात्रि 12 बजे शयन आरती अध्यक्ष सुशील कुमार पाठक के द्वारा किया गया इस दौरान उन्होंने कहा कि 21 मार्च सोमवार पंचमी को भगवती मां कल्याणी का स्कन्द माता के स्वरूप में श्रृंगार दर्शन किया जाएगा। मां सिंह पर सवार होकर चार भुजा धारण करेंगी। और अपने गोद में षडानन जी को बैठाए रहेंगी मां का श्रृंगार मोती के आभूषणों एवं बेला गुलाब के पुष्पों के द्वारा किया जाएगा और मां का गर्भ गृह की साज सज्जा अनेक प्रकार के पुष्पगुच्छों के द्वारा किए जाएंगे।इस अवसर मां कल्याण देवी मंदिर के अंतर्गत श्री नवसंवत्सर मानस समिति के द्वारा आयोजित किए जा रहे श्री राम कथा के चतुर्थ दिवस पर भक्तों को कथा का रसपान कराते हुए।

कथा वाचक डा अनिरुद्ध जी महाराज ने कहा कि अहंकार मनुष्य के सद्गुण को खा जाता है जिसका प्रमाण लंका काण्ड में गोस्वामी तुलसीदास जी ने वर्णित करते हुए उल्लेख किया है और कथा सुनाते हुए व्यास जी ने कहा कुंभकर्ण ने रावण को भक्ति और ज्ञान की बात बताई पर रावण ने बात नहीं मानी।तब कुंभकर्ण ने भाई के स्वाभिमान के लिए युद्ध में जाना स्वीकार किया और रामदल में हाहाकार मचा दिया।अंत प्रभु श्री राम के द्वारा उसका अंत हुआ।

कथा का संचालन प्रवक्ता ओंकार नाथ त्रिपाठी ने किया। इस अवसर अध्यक्ष पूर्व विधायक उदय भान करवरिया, अनिल कुमार पाठक, राजेश केसरवानी, कृष्ण कुमार पाठक, राजू यादव, कुवंर जी टंडन, ने भक्तों के साथ कथा श्रवण कर आरती की।

27 वर्षों से चैत्र प्रतिपदा, शरदीय नवरात्रि में कर रहे अखंड सतचंडी अनुष्ठान

मां भगवती सभी की मनोकामनाएं पूर्ण करें : स्वामी हरिनारायण समदर्शी

प्रयागराज। छत्रपति शिवाजी महाराज के 13वीं पीढ़ी वंशज के राजगुरू स्वामी हरिनारायण समदर्शी महराज आराध्य तपोस्थली पुणे महाराष्ट्र में चैत्र नवरात्रि महापर्व के उपलक्ष में आज नवरात्रि के चतुर्थ दिवस चतुर्थी तिथि पर विश्व कल्याण के लिए नौ दिवसीय सतचंडी पाठ, पशुपतार्थ मंत्र के साथ अखंड तपस्या अनुष्ठान साधना दिन - रात कर रहे है। स्वामी हरिनारायण समदर्शी महराज ने बताया कि मां भगवती से प्रार्थना करता हूं कि आप सभी की मनोकामनाएं पूर्ण हों, मां भगवती से कामना, प्रार्थना करता हूं कि आप सभी के कष्ट, परेशानियां खत्म हो, जीवन मंगलमय हो, सभी प्रकार की खुशियां मिले और सभी उन्नति करें।

स्वामी हरिनारायण समदर्शी महराज का सिद्धेश्वर पुरुषार्थ दंडी स्वामी बालक आश्रम अध्यक्ष चित्रकूट, अरैल प्रयागराज और आराध्य तपोस्थली आश्रम पुणे महाराष्ट्र में नौ दिवसीय सतचंडी पाठ, पशुपतार्थ मंत्र के साथ अखंड तपस्या अनुष्ठान साधना दिन - रात चल रही है। तपोस्थली आश्रम, पुणे के स्वामी हरिनारायण समदर्शी महराज विश्व शांति, लोगों की उन्नति और कल्याण के लिए निरंतर 27 वर्षो से चैत्र प्रतिपदा और शरदीय नवरात्रि में अखंड सतचंडी अनुष्ठान कर रहे है।

पहले गिरनार पर्वत, विंध्याचल, उज्जैन, कामरु और कामाख्या आदि शक्तिपीठों में विश्व कल्याण के लिए अनुष्ठान कर रहे है। अब यह अनुष्ठान 15 वर्षों से स्वामी हरिनारायण समदर्शी तपोस्थली आश्रम, पुणे में कर रहे है। कोरोना काल में महामारी दूर करने के लिए स्वामी हरिनारायण समदर्शी तपोस्थली आश्रम से एक किलोमीटर निकट पुणे सिद्धेश्वर पुरुषार्थ आश्रम की भूमि पर हजारों लाल मिर्च से सिद्ध हवन किया था। वह प्रयागराज के विश्व प्रसिद्ध माघ मेला, अर्द्ध कुंभ मेला और कुंभ मेला के दौरान माहभर पूजन, अर्चन करते हुए दिन - रात विशाल भण्डारा चलाते है जिसमें लाखों लोग प्रसाद ग्रहण करते हुए आशीर्वाद प्राप्त करते है।

'वाया' के सहयोग से मिली कर्ज से मुक्ति तो मुस्कुराया सीए विकास गर्ग का परिवार

वाया' का यही है उद्देश्य, जब कोई अपना मुश्किल में हो तो उसे अकेला न छोड़ा जाए : नन्दी

कर्ज से मुक्ति मिलते ही दिल्ली के सीए विकास गर्ग को दुबारा मिली नौकरी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी, हल्दीराम, केंट आरओ के साथ ही देश के कई प्रतिष्ठित उद्यमियों के सहयोग से वैश्य समाज के लोगों की मदद के लिए संचालित वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन 'वाया' का एक छोटा सा प्रयास कर्ज के बोझ तले दबे दिल्ली के पश्चिम विहार में रहने वाले सीए विकास गर्ग एवं डॉ. सारिका गर्ग के परिवार के लिए जीवनदायिनी के साथ ही टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ। वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन द्वारा बकायदारों को कर्ज का भुगतान करने से सीए परिवार को न सिर्फ राहत मिली, बल्कि सीए विकास गर्ग को दुबारा नौकरी मिल गई। बेपटरी हो चुके जीवन के वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन के सहयोग से दुबारा पटरी पर आने पर सीए विकास गर्ग के साथ ही पूरे परिवार ने आभार जताया है।

पश्चिम विहार दिल्ली में किराए के मकान में रहने वाले पैं विकास गर्ग और डॉ. सारिका गर्ग का परिवार पिछले कुछ वर्षों से कई समस्याओं से जूझ रहा था।

गंभीर बीमारी के कारण सीए विकास गर्ग की नौकरी छूट गई। जिससे परिवार की आय लगभग खत्म हो गई। घर चलाने की मजबूरी में उन्होंने अपनी मेहनत की बचत लगाकर एक प्रॉपर्टी का काम शुरू किया, लेकिन उसमें गलत लोगों के चक्कर में फंस गए और उनकी लगभग पूरी जमा पूंजी उसमें लग गई।

प्रॉपर्टी व्यवसाय से निकलने के लिए उन्होंने इधर-उधर से उधार लिया ब्याज पर कर्ज लिया, जो 13 लाख तक पहुंच गया। लेनदारों का दबाव आने लगा। कुछ बड़े फाइनेंसर की तरफ से धमकियां तक मिलने लगी।

बच्चों की पढ़ाई, बुजुर्गों की देखभाल, यहां तक कि रोजमर्रा के खर्च भी उठाना भारी पड़ने लगा। परिवार पूरी तरह टूट चुका था। इसी दौरान वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन द्वारा किए जा रहे सहयोग की जानकारी होते ही सीए का परिवार वाया के पदाधिकारियों तक पहुंचा।वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन की कमेटी ने पूरी स्थिति समझने के बाद यह महसूस किया कि अगर समय रहते मदद नहीं की गई तो कुछ अनहोनी तक हो सकती है।कमेटी ने परिवार को इस कर्ज के बोझ से बाहर निकालने का निर्णय लेते हुए सभी लेनदारों को बुलाकर उनका लगभग 12.40 लाख रुपए का पूरा बकाया कर्ज चुका दिया।

वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन वाया के संस्थापक सदस्य मंत्री नन्दी एवं महेश गुप्ता निदेशक केंट आरओ सिस्टम, मनोहर लाल अग्रवाल हल्दीराम ग्रुप, नन्द किशोर अग्रवाल क्रिस्टल ग्रुप, राजेश गुप्ता मल्टी कलर स्टील्स ग्रुप, श्रीमती प्रियंका गुप्ता महिला निदेशक, दीपक सिंघल चीफ कॉर्डिनेटर ने कहा कि वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन का उद्देश्य स्पष्ट है कि जब कोई अपना मुश्किल में हो, तो उसे अकेला न छोड़ा जाए।

श्री साई मंदिर में नियमित आरती, भंडारा व सेवा कार्यों से श्रद्धालुओं में आस्था का संचार

श्री साईं मंदिर प्रयागराज सेवा और श्रद्धा का केंद्र

प्रयागराज। चंद्रशेखर आजाद घाट मार्ग पर मदर प्राइड स्कूल के समीप स्थित श्री साई मंदिर में धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों का क्रम निरंतर जारी है। मंदिर में प्रतिदिन प्रातः एवं सायं नियमित रूप से आरती एवं पूजन संपन्न होता है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं।

मंदिर के आचार्य श्री उमेश मिश्र के अनुसार, प्रत्येक माह के चौथे रविवार को दोपहर 12 बजे से नारायण सेवा एवं भंडारे का आयोजन किया जाता है, जिसमें जरूरतमंदों एवं श्रद्धालुओं को प्रसाद स्वरूप भोजन वितरित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, हर मंगलवार को सुंदरकांड पाठ तथा प्रत्येक गुरुवार को सायंकाल भजन, आरती एवं प्रसाद वितरण का विशेष कार्यक्रम आयोजित होता है, जिससे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहता है।

मंदिर से जुड़े सेवा कार्य केवल स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि बड़े धार्मिक आयोजनों में भी सक्रिय सहभागिता रहती है। हर वर्ष मां त्रिवेणी की पावन धरा पर आयोजित माघ मेला, कुंभ एवं अर्धकुंभ मेले के दौरान श्री साई काउंसिल भारत द्वारा शिविर लगाकर पूरे महीने श्रद्धालुओं की सेवा की जाती है। इस दौरान प्रतिदिन सुबह चाय तथा दोपहर 12 बजे से भोजन का वितरण किया जाता है, जिससे दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं को सुविधा मिलती है।

मंदिर के इन सतत धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों से क्षेत्र में आस्था, सेवा एवं सहयोग की भावना को मजबूती मिल रही है। श्रद्धालुओं का कहना है कि श्री साई मंदिर न केवल पूजा-अर्चना का केंद्र है, बल्कि समाज सेवा का भी एक प्रेरणास्रोत बन चुका है।

कोनगांव के कबाड़ गोदाम में भीषण आग, दो गोदाम जलकर खाक

2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू, लाखों का नुकसान

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी।भिवंडी तालुका के कोनगांव में गुरुवार को एक कबाड़ गोदाम में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते दो गोदाम पूरी तरह जलकर खाक हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, गोदाम में कपड़ा, प्लास्टिक और कागज का भारी मात्रा में ज्वलनशील सामान रखा हुआ था। बताया जा रहा है कि गोदाम के पास घास में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा लगाई गई आग धीरे-धीरे फैलते हुए गोदाम तक पहुंच गई और कुछ ही समय में विकराल रूप धारण कर लिया। घटना की सूचना मिलते ही भिवंडी फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। इसके अलावा निजी पानी टैंकरों की मदद से भी आग बुझाने का कार्य शुरू किया गया। दमकल कर्मियों ने करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया

हालांकि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन दो भंगार (कबाड़) गोदाम पूरी तरह नष्ट्र हो जाने से भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

भिवंडी में शिवसेना अल्पसंख्यांक कार्यालय का उद्घाटन, बड़ी संख्या में लोगों ने किया पार्टी प्रवेश

कारिवली में आयोजित कार्यक्रम में संगठन विस्तार और भाईचारे का संदेश

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी के कारिवली क्षेत्र में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के अल्पसंख्यांक प्रकोष्ठ के नए कार्यालय का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों और पार्टी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति देखने को मिली।नए कार्यालय का उद्घाटन भिवंडी महानगरपालिका संपर्क प्रमुख किशोर पोद्दार के हाथों संपन्न हुआ। इस मौके पर जिला प्रमुख मनोज गगे, जिला संगठिका वैशाली मेस्त्री, जिला सचिव राजाभाऊ पुण्यार्थी समेत कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान नेताओं ने संगठन को मजबूत करने और जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया। वक्ताओं ने कहा कि पार्टी आम जनता के मुद्दों को लेकर लगातार कार्य कर रही है और अल्पसंख्यक समाज को साथ लेकर आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर मुस्लिम समाज के कई लोगों ने शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) में शामिल होकर पार्टी को समर्थन दिया। नए सदस्यों ने संगठन के साथ मिलकर समाजहित में काम करने का भरोसा जताया। कार्यक्रम में उपस्थित मुस्लिम समुदाय के लोगों को ईद की शुभकामनाएं दी गईं और आपसी सौहार्द व एकता बनाए रखने का संदेश दिया गया। इस दौरान विजय कुंभार, निलेश शिवदे, प्रताप शिंदे, नरेश शिवदे, नौशेबा अंसारी, मोकीम अंसारी, मंगल मुल्ला, मधुकर जाधव, दिनेश पवार, नौशाद अंसारी, दिलावर सेठ, हुसैन खान, आबिद सैय्यद, इस्माइल तोडगे और शिवा वर्मा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। कुल मिलाकर यह कार्यक्रम संगठन विस्तार के साथ-साथ सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश देने वाला साबित हुआ।

एकवीरा देवी यात्रा पर मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर 3 दिन टोल माफ

सांसद सुरेश म्हात्रे की पहल, भक्तों को राहत

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी।लोनावाला स्थित एकवीरा देवी की वार्षिक यात्रा के अवसर पर श्रद्धालुओं को बड़ी राहत दी गई है। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर मंगलवार, बुधवार और गुरुवार–तीन दिनों के लिए टोल माफ किया गया है।यह जानकारी भिवंडी लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ 'बाल्या मामा' ने दी। उन्होंने बताया कि उनकी पहल पर एक्सप्रेसवे टोल प्रशासन ने टोल माफी की मांग को मंजूरी दी है, जिससे बड़ी संख्या में यात्रा में शामिल होने वाले भक्तों को फायदा मिलेगा।सांसद के अनुसार, टोल माफी का लाभ उठाने के लिए श्रद्धालुओं को उनका जारी किया गया अधिकृत लेटर टोल नाकों पर दिखाना होगा। इसके बाद संबंधित वाहन का टोल शुल्क माफ किया जाएगा।हर वर्ष आयोजित होने वाली एकवीरा देवी की यात्रा में राज्यभर से हजारों श्रद्धालु शामिल होते हैं, खासकर आगरी-कोली समाज के लोग बड़ी संख्या में पहुंचते हैं।सांसद सुरेश म्हात्रे ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि यात्रा के दौरान यातायात नियमों का पालन करें और सुरक्षित यात्रा करें। उन्होंने कहा कि प्रशासन भी यात्रा को सुचारु और सुरक्षित बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्था कर रहा है।इस निर्णय से यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं को आर्थिक राहत मिलने के साथ-साथ यात्रा सुगम होने की उम्मीद जताई जा रही है।

अयोध्या की छह 'उप-मंदिरों' पर धर्म ध्वजा फहराने की तैयारी, हनुमान जयंती पर होगा कार्यक्रम

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के मुख्य शिखर और राम जन्मभूमि परिसर में मौजूद अन्य मुख्य मंदिरों पर धर्म ध्वजा फहराये जाने के बाद बाकी बचे छह 'उप-मंदिरों' में भी ऐसी ही रस्में निभाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने शनिवार को हुई एक बैठक के बाद बताया कि जिन मंदिरों में ध्वज फहराया जाएगा, उनमें सूर्य, भगवती, शिवलिंग, गणपति, शेषावतार और हनुमान को समर्पित मंदिर शामिल हैं। उन्होंने बताया कि हनुमान मंदिर के शिखर पर ध्वज फहराने की रस्म आगामी दो अप्रैल को हनुमान जयंती के मौके पर की जाएगी। राय ने बताया कि बाकी पांच उप-मंदिरों के लिए रस्में 22, 23, 24, 25, 29, 30 और 31 मार्च को आठ दिनों तक अलग-अलग चरणों में पूरी की जाएंगी।

मंदिर पूजा करने गई युवती पर पेट्रोल डालकर लगाई आग, छत पर चढ़कर आरोपी ने किया ड्रामा, दो गिरफ्तार

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के अलीगढ़ में चचेरे-भाई बहन के बीच जमकर मारपीट हुई। इसके बाद भाई ने चचेरी बहन पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। लड़की की चीख सुनकर गांववालों ने मिट्टी डालकर आग बुझाई। आग से लड़की का चेहरा और हाथ झुलस गया।

गांववालों ने पुलिस को सूचना देकर लड़की को अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं, जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो आरोपी भाई अपने घर की छत पर चढ़ गया। अपने ऊपर भी पेट्रोल डाल लिया। पुलिस को धमकी देते हुए कहा- अगर मुझे पकड़ा तो मैं खुद को आग लगा लूंगा।

छत पर रखे सिलेंडर में आग लगाकर आप लोगों पर फेंक दूंगा। अगर मैं जेल गया, तो बाहर आकर चचेरे भाई की गोली मारकर हत्या कर दूंगा। हालांकि, पुलिस ने करीब 4 घंटे बाद पड़ोसी की छत से जाकर आरोपी भाई को पकड़ लिया। घटना अतरौली थाना क्षेत्र की है।

नवरात्र की पूजा करने के बाद खेत जा रही थी बहन खानपुर गांव के रहने वाले जयवीर सिंह दिवाकर ने बताया- 21 मार्च की शाम मैं गांव में ही डेयरी पर दूध रखने गए थे। वहां मेरा अपने भतीजे नीरू से झगड़ा

हो गया था। इसके बाद रविवार की सुबह भी जब मैं दूध रखने जा रहा था, तब भतीजे ने मुझे रोक लिया और मेरे साथ मारपीट की। तब गांववालों ने बीच-बचाव कर मामला शांत करा दिया।

जयवीर की पत्नी चंद्रवती ने बताया- सुबह करीब 8:30 बजे बेटी रश्मि नवरात्र की पूजा करने के बाद खेतों की तरफ जा रही थी। रास्ते में नीरू ने उसे रोक लिया। उसके साथ मारपीट की। फिर बोतल में भरा पेट्रोल बेटी के ऊपर डाल दिया।

इसके बाद माचिस से आग लगा दी। आग लगते ही बेटी चीखने लगी। उसकी चीख सुनकर गांववाले मौके पर पहुंचे। उन्होंने मिट्टी डालकर आग बुझाई। लेकिन, तब तक रश्मि के हाथ, चेहरा और पेट गंभीर रूप से झुलस चुका था।

पुलिस से बोला- मुझे पकड़ा तो खुद को आग लगा लूंगा इसके बाद गांववालों ने एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी। एंबुलेंस से रश्मि को अतरौली सीएचसी ले जाया गया। जहां से उसकी हालत गंभीर देखते हुए अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। घटना के बाद पुलिस पहुंची, तो आरोपी नीरू घर की तीसरी मंजिल पर चढ़ गया।

पुलिस के घर में प्रवेश करने की कोशिश की, लेकिन नीरू ने छत पर रखा गैस सिलेंडर उठा लिया। धमकी दी कि अगर कोई पास आया तो वह सिलेंडर में आग लगाकर नीचे फेंक देगा। इसके बाद उसने खुद पर पेट्रोल डाल लिया और आत्मदाह की धमकी दी।

सीओ राजीव द्विवेदी ने बताया कि युवती की हालत फिलहाल खतरे से बाहर है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। दोनों पक्षों के बीच प्लॉट में भैंस बांधने को लेकर लंबे समय से झगड़ा चला आ रहा है। पहले भी कई बार झगड़े हो चुके हैं। आरोपी के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज है।

कॉलेज में बेटे की हत्या पर पिता का छलका दर्द, कहा- आरोपी को हो फंसी, मेरा बेटा नहीं

लखनऊ **(एजेंसी)**। यूपी कॉलेज वाराणसी में छात्र सूर्य प्रताप सिंह की हुई हत्या के मामले में अब उनके पिता ऋषि देव सिंह ने सीधे-सीधे अब कॉलेज के प्रिंसिपल पर हत्या में सम्मिलित होने का आरोप लगाते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की है। आरोपी मनीष चौहान को फांसी की सजा दिलाए जाने की भी बात कही है।

बता दें की एक दिन पूर्व सूर्य प्रताप सिंह जो अपने घर पर पिछले 10 दिनों से चेचक रोग से प्रभावित होने पर था लेकिन सुबह-सुबह कॉलेज के प्रिंसिपल ने फोन कर कॉलेज बुलाया और फिर वहां पर मनीष सिंह चौहान ने कॉलेज परिसर में ही एक दो नहीं बल्कि आठ गोलियां मार कर हत्या कर दी इस मामले पर जब उनसे बात की गई तो उन्होंने बताया कि पूरी हत्या का घटनाक्रम कॉलेज के प्रिंसिपल के सामने हुई है और गोली उनके ही ऑफिस में मारी गई थी क्योंकि वह किसी बात के समझौता के लिए उनके बेटे को बुलाए थे।

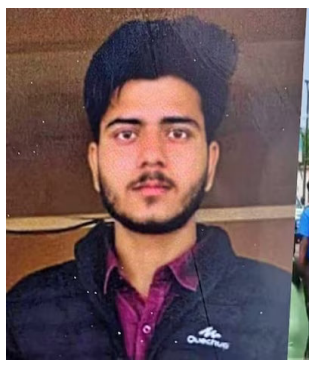

उन्होंने बताया कि मनीष से उनके बेटे की पहले से कोई अदावत या लड़ाई थी या नहीं इसके बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं थी हालांकि उन्होंने यह बताया कि मनीष चौहान अभी 1 साल पहले ही किसी मामले में जेल से छुटकर आया था बावजूद इसके उसका एडमिशन प्रिंसिपल ने कॉलेज में कर लिया था।

उन्होंने बताया कि 10 दिनों से बेटा चेचक से प्रभावित था लेकिन इन दिनों ना ही उसके किसी दोस्त का और ना ही कॉलेज का कोई फोन आया था क्योंकि चेचक से पीड़ित होने के कारण वह घर से बाहर भी नहीं निकल पा रहा था घर में ही रहा करता था उन्होंने बताया कि बेटे की हत्या की सूचना लगभग 11 या 11:30 के आसपास मिली जब लखनऊ जा रहे थे और फिर रात 8:30 बजे लखनऊ से वापस आए।

उन्होंने बताया कि उनका बेटा हमेशा बिजनेस करने की बात करता था लेकिन मैं उसे बार-बार कहता था कि बिजनेस के लिए बड़ा पैसा चाहिए और उतना पैसा उनके पास नहीं है इसलिए पढ़ाई लिखाई का ही मैं जोर दे रहा था ताकि वह कहीं नौकरी कर अपना जीवन यापन कर सकता था इस दौरान उनका बेटा छात्र राजनीति से जुड़ा हुआ था या नहीं इसके बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं।

इस दौरान उन्होंने बताया कि उनके बेटे की हत्यारे की गिरफ्तारी हो चुकी है और अब हम चाहते हैं कि उसे फांसी हो जाए क्योंकि अब इस दुनिया में मेरा बेटा नहीं है तो उसे भी अब इस दुनिया में नहीं रहना चाहिए।

नामजियों से भिड़े इंस्पेक्टर, कहा- मिट्टी में मिला दूंगा, विवादित बयान सोशल मीडिया पर वायरल

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश में मैनपुरी जिले के कुरावली क्षेत्र में ईद के मौके पर गंगापुर स्थित ईदगाह में नमाज को लेकर विवाद की स्थिति बन गई। करीब एक घंटे तक चले तनाव के बाद प्रशासन के हस्तक्षेप से मामला शांत हुआ और नमाज शांतिपूर्वक संपन्न कराई गई।सुबह बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग ईद की नमाज अदा करने के लिए ईदगाह पहुंचे थे। इसी दौरान कुरावली इंस्पेक्टर ललित भाटी ने ईदगाह परिसर के बाहर नमाज पढ़ने पर आपत्ति जताई। उनका कहना था कि नमाज केवल निर्धारित परिसर के अंदर ही अदा की जाए। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना था कि वर्षों से आसपास के खेतों में भी नमाज अदा की जाती रही है, इसलिए इस पर रोक नहीं लगाई जानी चाहिए। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी बढ़ गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नीरज द्विवेदी मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया। प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद नमाज शांति के साथ संपन्न हो सकी।

घटना के बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों में इंस्पेक्टर की कार्यशैली को लेकर नाराजगी देखी गई। लोगों का कहना है कि धार्मिक अवसर पर इस तरह का व्यवहार उचित नहीं है। वहीं, स्थानीय राजनीतिक नेताओं ने भी इस मुद्दे को उठाते हुए पुलिस के रवैये पर सवाल खड़े किए हैं और इसे अनुचित बताया है। घटना के दौरान हुई बहस का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे मामला और चर्चा में आ गया है। हालांकि, इस संबंध में उच्च अधिकारियों ने फिलहाल कोई आधिकारिक बयान देने से इनकार कर दिया है। प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रण में बताते हुए सभी से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की है।

सपा विधायक की चलती कार में लगी आग कूदकर बचाई जान, टला बड़ा हादसा

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश में कानपुर जिले के जाजमऊ थाना क्षेत्र स्थित डिफेंस कॉलोनी में उस समय हड़कंप मच गया, जब चलती कार में अचानक आग लग गई। यह कार मोहम्मद हसन रूमी की बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, हादसे के समय विधायक कार में मौजूद नहीं थे। उनके रिश्तेदार ईद के मौके पर कार लेकर निकले थे। तभी रास्ते में अचानक कार से धुआं उठने लगा और देखते ही देखते आग भड़क गई।

कार में सवार दोनों लोगों ने स्थिति को भांपते हुए तुरंत कूदकर अपनी जान बचाई। स्थानीय लोगों ने भी मौके पर पहुंचकर सूझबूझ दिखाते हुए फायर ब्रिगेड के आने से पहले ही आग पर काफी हद तक काबू पा लिया। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, हालांकि कार को काफी नुकसान पहुंचा है।

फिलहाल घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया, लेकिन समय रहते हालात संभाल लिए गए। पुलिस और फायर विभाग ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। आशंका जताई जा रही है कि ये हादास शॉर्ट सर्किट की वजह से हुई है। हालांकि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

'दम है तो रोक लो' कहकर प्रधान के भाइयों को चाकू से गोदा, खूनी रंजिश का खौफनाक अंत

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मेरठ में ईद की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गईं, जब सरधना थाना क्षेत्र के मेहरमती गणेशपुर गांव में मामूली लेन-देन को लेकर दो गुट आपस में भिड़ गए। महज एक हजार रुपए के लिए शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ा कि हमलावरों ने ग्राम प्रधान के 2 सगे भाइयों की बेरहमी से हत्या कर दी। इस खूनी संघर्ष में कई अन्य लोग भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

घटना शनिवार शाम की है, जब ग्राम प्रधान मोहम्मद सईद के परिवार का सलमान नाम का युवक कब्रिस्तान के पास बैठा था। तभी गांव का ही इरशाद (जो नशे में धुत बताया जा रहा है) वहां पहुंचा और सलमान से अपने ?1000 मांगने लगा। देखते ही देखते बात गाली-गलौज से शुरू होकर हाथापाई तक पहुंच गई।

विवाद बढ़ने पर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। नमाज पढ़कर लौट रहे प्रधान के भाई भूरा (40) और सैमुद्दीन (35) बीच-बचाव करने पहुंचे, लेकिन हमलावरों ने उन पर धारदार हथियारों से धावा बोल दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावरों ने भूरा के शरीर में चाकू आर-पार कर दिया। आरोपियों ने सरेआम ललकारते हुए कहा कि दम है तो रोक लो! आधे घंटे तक चले इस खूनी खेल में दोनों भाइयों की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। ग्रामीणों का आरोप है कि यह कत्ल अचानक नहीं हुआ। घटना वाले दिन सुबह ही मुख्य आरोपी रहीश को छुरियों पर धार लगाते देखा गया था। प्रधान पक्ष और आरोपियों के बीच पुरानी रंजिश चली आ रही थी, जिसका फायदा उठाकर इस वारदात को अंजाम दिया गया। घटना में तौहीद, आमिर और मंसूर समेत कई लोग घायल हैं, जिनका इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।

दिल्ली कैपिटल्स के पास बहुत मजबूत टीम है उम्मीद है कि यह साल उनका होगा : पूर्व क्रिकेटर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स इस सीजन वेन शुरू होने पर आईपीएलटाइटल के लिए अपने 18 साल के इंतजार को खत्म करना चाहेंगे। जियोस्टार के 'आईपीएल टुडे लाइव' पर बात करते हुए जियोस्टार एक्सपर्ट इरफान पठान और आकाश चोपड़ा ने अपने विचार शेयर किए कि पहले डीसी और पंजाब टीम को किन चीजों से दिक्कत हुई और 2026 में कौन सी टीम कागज पर ज्यादा मजबूत दिखती है जो आखिरकार इस बुरी किस्मत को तोड़ देगी।

आकाश चोपड़ा ने उन चुनौतियों के बारे में बताया जिनसे डीसी और पंजाब किंग्स जैसी टीमों को पहले भी परेशानी हुई है। उन्होंने कहा, 'जिसने भी कई ट्रॉफी जीती हैं, यहाँ तक कि गुजरात टाइटन्स भी, जो दो बार फाइनल में पहुंची और अपने पहले दो सालों में ट्रॉफी जीती, आप पाएंगे कि कंसिस्टेंसी और स्टेबिलिटी ने उन्हें सफल होने में मदद की। जहां कोई सफलता नहीं मिलती, वहां टीमें उसे पाने के लिए काट-छांट और बदलाव करती रहती हैं, यह सोचकर कि एक बार सफल हो जाने पर, वे स्टेबल हो जाएंगी। फिर यह मुर्गी और अंडे वाली स्थिति बन जाती है।

पंजाब और दिल्ली दोनों के साथ यही समस्या रही है। एक टीम के 15 कप्तान रहे हैं, दूसरी के 17। इसलिए, अगर आप अपना वर्तमान बदलना चाहते हैं, तो स्टेबिलिटी से कोई समझौता नहीं हो सकता। हमने अक्सर देखा है कि बेहतर टीमें पहले या दूसरे मैच में ही अपने सबसे अच्छे कॉम्बिनेशन पर पहुंच जाती हैं, जबकि जो टीमें 25 में से लगभग 22 खिलाड़ियों का इस्तेमाल करके काट-छांट और बदलाव करती रहती हैं, वे टॉप के बजाय सबसे नीचे खत्म करती हैं।'

ऑक्शन में डीसी के बेहतर प्रदर्शन पर चोपड़ा ने कहा, 'आईपीएल को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि आपको रीबूट करने का मौका मिलता है। हर तीन साल बाद, एक बड़ा ऑक्शन होता है। दिल्ली को शाबाशी, क्योंकि 2019 से, वे लगातार वहीं या उसके आस-पास रहे हैं, और 2020 में फाइनल में पहुंचे। महिला टीम सभी चार डब्ल्यूपीएल सीजन में फाइनल तक पहुंची है। उन्होंने अपने ऑक्शन सही किए हैं और इस साल, मुझे लगता है कि उनके पास एक बहुत मज़बूत यूनिट है। इसलिए, उम्मीद है कि यह उनका साल हो सकता है।'

पंजाब और दिल्ली के बीच कागज़ पर बेहतर दिखने वाली टीम पर उन्होंने कहा, 'कागज पर, मुझे लगता है कि दिल्ली एक ज़्यादा पूरी यूनिट है,

जिसमें दो स्पिनरों को छोड़कर लगभग हर स्लॉट के लिए काफी बैकअप हैं, लेकिन आपको पूरे देश में भी अक्षर पटेल और कुलदीप के लिए बैकअप नहीं मिलेंगे।'

इरफान पठान ने 2010 की शुरुआत में डीसी के सामने टैलेंट पहचानने की चुनौती के बारे में बताया, 'मैं तीन-तीन साल पंजाब और दिल्ली के साथ था। जब मैं दिल्ली में था, तो एरिक सिमंस, जो अब सीएसके के बॉलिंग कोच हैं, कोच थे, और स्टेबिलिटी लाने की कोशिश की गई थी। लेकिन जब आप एबी डिविलियर्स जैसे खिलाड़ियों को छोड़ देते हैं और आपके पास आंद्रे रसेल होते हैं, तो शुरू से शुरू करना आसान नहीं होता। मैं रसेल के साथ एक ही ड्रेसिंग रूम में खेला था और उसे और मौके देने के बारे में बहुत चर्चा हुई थी, लेकिन वे लगातार ढ में उसके लिए जगह नहीं बना पाए। इसलिए, टैलेंट की पहचान बहुत ज़रूरी है, और मुझे लगता है कि दिल्ली उस मामले में पीछे रह जाती थी।'

जोश इंगलिस की सिचुएशन में वे थोड़े अनलकी रहे, क्योंकि वह ज़्यादातर सीजन नहीं खेल पाएंगे, लेकिन फिर आप देखते हैं कि दूसरी टीम उन्हें बहुत ज़्यादा कीमत पर लेने की कोशिश कर रही है। इस मामले में, वे बहुत सारे सही फैसले ले रहे हैं। पहले, पंजाब को पूरी तरह से स्ट्रगल करना पड़ा था, लेकिन अब आप अजमतुल्लाह उमरजई और मार्कस स्टोइनिस जैसे ऑलराउंडर देखते हैं, इसके अलावा, उन्होंने श्रेयस अय्यर को कैप्टन बनाने का फैसला करने के बाद उन पर पूरी तरह से दांव लगाया। इसलिए, सोच में क्लैरिटी है, और मुझे लगता है कि पंजाब ने सही दिशा में आगे बढ़ना शुरू कर दिया है।'

कोहली ने आईपीएल में भारत से लंदन आने-जाने के लिए चार्टर्ड प्लेन की मांग की? रिपोर्ट पर आया बल्लेबाज का जवाब

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने उन 'फेक रिपोर्ट' को हंसकर टाल दिया है जिनमें कहा गया था कि उन्होंने भारत से लंदन आने-जाने के लिए चार्टर्ड फ्लाइट की मांग की है और आईपीएल 2026 के मैचों के बीच में घर जाने की भी इच्छा जताई है।

एक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की गई रिपोर्ट में कहा गया था कि कोहली ने कथित तौर पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) मैनेजमेंट से भारत और लंदन के बीच चार्टर्ड फ्लाइट की सुविधा मांगी है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि जब भी दो मैचों के बीच तीन दिन से ज्यादा का गैप होगा, तो वह यूके जाना चाहेंगे और अगले मैच से ठीक पहले वापस आ जाएंगे। हालांकि आरसीबी के पूर्व कप्तान ने इस रिपोर्ट को पूरी तरह से खारिज कर दिया। उन्होंने अपनी उस पोस्ट का एक स्क्रीनशॉट शेयर किया और साथ में कुछ 'हंसने वाले' इमोजी भी लगाए।

बाद में ऊपर बताए गए इंस्टाग्राम हैंडल ने बताया कि कोहली के पोस्ट पर रिएक्शन देने के बाद उनका अकाउंट क्रैश हो गया था। उन्होंने अपने एनालिटिक्स का एक स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा, 'विराट कोहली की स्टोरी के बाद हमारा अकाउंट क्रैश हो गया।' इससे पहले, कोहली ने टीम के पहले ट्रेनिंग सेशन के दौरान भारतीय खिलाड़ियों के एक छोटे से ग्रुप को संबोधित किया और उन्हें आने वाले हफ्तों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। कोहली ने अपने साथियों से कहा, 'पिछले दो-तीन सीजन में हमने जो हासिल किया, उसके लिए हमने बहुत कड़ी मेहनत की है। अब यह और भी मुश्किल होने वाला है क्योंकि दूसरी टीमें भी हमारे खिलाफ पूरी तैयारी के साथ उतरेंगी।'

मियामी ओपन में कोको गॉफ का शानदार कमबैक, पार्क्स को हराकर चौथे दौर में पहुंची

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मियामी ओपन में अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने शानदार वापसी करते हुए हमवतन एलिसिया पार्क्स को हराकर चौथे दौर (राउंड ऑफ 16) में जगह बना ली है। गॉफ ने तीन सेटों तक चले मुकाबले में हार के बाद जोरदार वापसी की और मैच अपने नाम कर लिया। वह लगातार चौथी बार मियामी ओपन के अंतिम-16 में पहुंची हैं।

मैच की शुरुआत गॉफ ने शानदार की और 2-0 की बढ़त बना ली, लेकिन इसके बाद पार्क्स ने लगातार छह गेम जीतकर पहला सेट 6-2 से अपने नाम कर लिया। पहले सेट के बाद गॉफ ने पूरी तरह मैच पर पकड़ बना ली। इसके बाद गॉफ ने अगले 13 में से 12 गेम जीतकर मैच 2-6, 6-0, 6-1 से जीत लिया। यह मुकाबला 1 घंटा 50 मिनट तक चला और गॉफ ने दूसरे और तीसरे सेट में एकतरफा खेल दिखाया।

मैच के बाद कोको गॉफ ने कहा कि यह मुकाबला आसान नहीं था क्योंकि पार्क्स बहुत आक्रामक खेल रही थीं। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी रणनीति बदलनी पड़ी और रिटर्न गेम में सुधार करना पड़ा। गॉफ ने बताया कि दूसरे और तीसरे सेट में उन्होंने ज्यादा आक्रामक खेलने का फैसला किया, जिसका उन्हें फायदा मिला और मैच का रुख बदल गया।

2025 सीजन की शुरुआत से अब तक कोको गॉफ ने पहला सेट हारने के बाद डब्ल्यूटीए स्तर पर 11 मैच जीते हैं। इस मामले में वे मैडिसन कीज और अनास्तासिया पोटापोवा की बराबरी कर ली है। इस दौरान सबसे ज्यादा 13 मैच जेसिका पेगुला ने जीते हैं। वहीं डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट में 2000 के बाद जन्मी खिलाड़ियों में गॉफ की 104 जीत हैं और इस लिस्ट में उनसे आगे सिर्फ इगा स्विएटेक हैं, जिन्हें 130 जीत हैं।

अब चौथे राउंड में कोको गॉफ का मुकाबला रोमानिया की अनुभवी खिलाड़ी सोराना सिर्स्टिया से होगा। सिर्स्टिया ने 21वीं वरीयता प्राप्त एलिस मर्टेनस को 6-3, 6-2 से हराकर अगले राउंड में जगह बनाई है। गॉफ और सिरस्टिया के बीच इससे पहले सिर्फ एक मैच खेला गया था, जिसमें गॉफ ने 2022 ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीत हासिल की थी।

मियामी ओपन में यानिक सिनर की शानदार जीत, जोकोविच के बड़े रिकॉर्ड की बराबरी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वर्ल्ड नंबर-2 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने मियामी ओपन के पहले राउंड में शानदार जीत दर्ज की। सिनर ने दामिर दजुम्हुर को सीधे सेटों में 6-3, 6-3 से हरा दिया। यह मुकाबला हार्ड रॉक स्टेडियम में खेला गया।

सिनर ने हाल ही में इंडियन वेल्स 2026 का खिताब जीता था और अब वह 'सनशाइन डबल' (इंडियन वेल्स और मियामी ओपन दोनों जीतना) पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी पहली उपलब्धि आखिरी बार 2017 में रोजर फेडरर ने हासिल की थी। सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में लगातार 24 सेटों में नोवाक जोकोविच का रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने पहले पेरिस मास्टर्स और इंडियन वेल्स में खिताब जीता था और अब उनकी जीत का स्थिरांक जारी है।

अब अगर वह अपने तीसरे राउंड के मैच का पहला सेट जीत लेते हैं, तो वह जोकोविच का रिकॉर्ड तोड़ देंगे। तीसरे राउंड में उनका मुकाबला कोरेंटिन मौटेट से हो सकता है, अगले राउंड में बिग बॉस टॉमस मचाक ने जगह बनाई। सिनर 2024 में मियामी ओपन का खिताब जीता है और इस बार उनके पास जमावड़ा बनाने के लिए कोई रैंकिंग प्वाइंट नहीं है, जिससे उन्हें वर्ल्ड नंबर-1 बनने की रेस में कार्लोस अलकराज पर बढ़त बनाने का मौका मिल सकता है।

वहीं, दूसरे मैच में अलेक्जेंडर शेवचेंको ने शानदार वापसी करते हुए बेन शेल्टन को 6-7, 7-6, 6-3 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। यह उनकी टॉप-10 खिलाड़ियों के खिलाफ तीसरी जीत रही।

राजस्थान रॉयल्स को मिला सैम करन का रिप्लेसमेंट पाकिस्तान सुपर लीग से बाहर खिलाड़ी पर नजरें

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से एक और खिलाड़ी बाहर हो गया है जिसमें दासुन शनाका इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चले गए हैं। शनाका को राजस्थान रॉयल्स आने वाले सीजन के लिए साइन करने वाली है, वे चोटिल सैम करन की जगह लेंगे, जो पहले आईपीएल 2026 से बाहर हो गए थे। रॉयल्स के एक टॉप अधिकारी ने क्रिकबज को इस साइनिंग की पुष्टि की।

फ्रेंचाइजी के एक अधिकारी ने इस वेबसाइट को बताया, 'हां, हम उन्हें साइन करने के करीब हैं। कुछ फॉर्मैलिटीज बाकी हैं। उन्हें श्रीलंकाई क्रिकेट के साथ कुछ पेपरवर्क पूरा करना है।' शनाका पिछले दिसंबर में अबू धाबी मिनी-ऑक्शन में अनसोल्ड रहे थे, जिसके बाद उन्होंने पीएसएल ऑक्शन के लिए एनरोल किया, जहां उन्हें लाहौर कलंदर्स ने 75 लाख पाकिस्तानी रुपए में खरीदा था।

शनाका हाल के दिनों में पीएसएल से आईपीएल में शिफ्ट होने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजराबानी ने इस्लामाबाद यूनाइटेड के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट खत्म करके कोलकाता नाइट राइडर्स जॉइन कर लिया था, जिन्होंने उन्हें मुस्तफिजुर रहमान की जगह साइन किया था। पीएसएल से आईपीएल में जाने का मशहूर मामला, बेशक, पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश का था, जब उन्होंने पेशावर जालमी का ऑफर ठुकराकर मुंबई इंडियंस जॉइन कर लिया था।

पीएसएल ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी और उन्हें एक साल के लिए बैन कर दिया। हालांकि आईपीएल के साथ लीग शेड्यूल करने की उसकी पॉलिसी - जाहिर तौर पर विदेशी खिलाड़ियों की मौजूदगी पक्का करने के लिए - उल्टी पड़ती दिख रही है, विदेशी खिलाड़ियों ने आईपीएल का मौका मिलने पर पीएसएल से नाम वापस ले लिया। क्रिकबज ने कमेंट के लिए लाहौर कलंदर्स से संपर्क किया। राजस्थान रॉयल्स का दासुन शनाका को चुनना कोई हैरानी की बात नहीं है। हेड कोच कुमार संगकारा श्रीलंकाई हैं जबकि असिस्टेंट कोच विक्रम राठौर ने टी20 वर्ल्ड कप के दौरान बैटिंग कोच के तौर पर श्रीलंका के साथ काम किया था, जब शनाका देश के कैप्टन थे। हालांकि कोहोस्ट सेमीफाइनल तक नहीं पहुंच पाए, लेकिन शनाका ने टूर्नामेंट में दो हाफ-सेंचुरी लगाकर सबको इम्प्रेस किया।

ऑस्ट्रेलिया ऐतिहासिक 4 टेस्ट सीरीज के लिए करेगा न्यूजीलैंड की मेजबानी

मेलबर्न **(एजेंसी)**। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली बार चार-मैच की टेस्ट सीरीज और बांग्लादेश के खिलाफ दो-टेस्ट सीरीज ऑस्ट्रेलिया की बिजी इंटरनेशनल गर्मियों की खास बातें हैं, जिसमें 14 जगहों पर पुरुषों और महिलाओं के क्रिकेट के 27 इंटरनेशनल मैच शामिल हैं। सीजन की शुरुआत उत्तर में बांग्लादेश के अगस्त में डार्विन और मैके में दो टेस्ट मैचों के दौरे से होगी, जिसके बाद महिलाओं की टीम के लिए तीन वनडे और तीन टी20 मैचों का एक व्हाइट-बॉल लेग होगा, जो सभी ब्रिस्बेन और सिडनी में होस्ट किए जाएंगे।

नवंबर में इंग्लैंड का व्हाइट-बॉल टूर होगा, जिसमें तीन मेन्स वनडे और पांच मैचों की टी20 सीरीज़ शामिल है। वनडे पर्थ, एडिलेड और होबार्ट में खेले जाएंगे, जबकि टी20 मेलबर्न, गोल्ड कोस्ट, ब्रिस्बेन, सिडनी और कैनबरा में होंगे। गर्मियों का सबसे खास समय न्यूज़ीलैंड के खिलाफ ऐतिहासिक चार-टेस्ट सीरीज के आसपास रहेगा, जो दिसंबर की शुरुआत से जनवरी की शुरुआत तक चलेगी। चार टेस्ट पर्थ, एडिलेड, मेलबर्न और सिडनी में खेले जाएंगे। इसके बाद महिला टीम फरवरी और मार्च में तीन टी20 और तीन वनडे के लिए न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगी, जिसके बाद गर्मियों का अंत 11 से 15 मार्च तक एमसीजी में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की मेन्स टीमों के बीच एक बार के 150वीं एनिवर्सरी टेस्ट के साथ होगा।

एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका ने तोड़ी चुप्पी ऋषभ पंत के खराब प्रदर्शन पर दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। लखनऊ सुपर जाइंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने आईपीएल 2025 में कप्तान ऋषभ पंत के खराब प्रदर्शन को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि टीम खराब की सलाह के लिए सिर्फ पंत को जिम्मेदार ठहराना सही नहीं है। आईपीएल 2026 की पहली शुरुआत 1 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होगी।

संजीव गोयनका ने कहा, 'अगर किसी कैप्टन के चार मुख्य कलाकार ही उपलब्ध नहीं हैं, तो आप क्या उम्मीद कर सकते हैं। इसलिए हमें यह देखना चाहिए कि उसके पास कौन से संसाधन थे।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे ऋषभ पंत पर पूरा भरोसा है। लोग सोशल मीडिया पर तरह-तरह की बातें करते हैं, लेकिन हम टीम के अंदर की सच्चाई जानते हैं।'

संजीव गोयनका ने ऋषभ पंत के शिष्य की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पंत एक अच्छे लीडर हैं और टीम के साथ उनका कम्युनिकेशन बहुत साफ रहता है। यंका के मुताबिक, 'वे मैदान पर और टीम के लिए 100 फीसदी हिस्सा लेने की कोशिश करते हैं।' जब कोई खिलाड़ी अपना पूरा योगदान देता है, तो उससे इतनी अधिक की उम्मीद नहीं की जा सकती।'

गोयनका ने माना कि पिछले दो सीजन टीम के लिए निराशाजनक रहे हैं। टीम पॉइंट्स टेबल में सातवें स्थान पर रही, जो किसी भी तरह से अच्छा प्रदर्शन नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि टीम के कई मुख्य गेंदबाज चोटिल हो गए थे, जिसका असर पूरे सीजन के प्रदर्शन पर पड़ा। टीम इस स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार नहीं थी, जिससे नतीजों पर असर पड़ा।

लखनऊ सुपर जाइंट्स आईपीएल 2026 में अपना पहला मैच 1 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ लखनऊ में खेलेगी। इसके बाद टीम 5 अप्रैल को हैदराबाद में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ, 9 अप्रैल को कोलकाता में केकेआर और 12 अप्रैल को गुजरात टाइटंस के मैच खेलेगी।

लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम में ऋषभ पंत, निकोलस पूरन, जोश इंगलिस, एडेन मार्करम, मिचेल मार्श, वानिंदु हसरंगा, मोहम्मद शमी, आवेश खान, मयंक यादव, एनरिक नॉर्खिया, शाहबाज अहमद, आयुष बदोनी, अब्दुल समद, अर्जुन तेंदुलकर सहित कई बड़े खिलाड़ी शामिल हैं। टीम इस बार मजबूत स्क्वाड के साथ मैदान पर उतरेगी।

भारत ने लगातार दूसरे साल एक अरब टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य हासिल किया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजारों में बढ़ी हुई अनिश्चितताओं के बीच भारत ने लगातार दूसरे साल एक अरब टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य हासिल कर लिया है। कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''कोयला क्षेत्र में सभी हितधारकों के अमूल्य योगदान के साथ, देश ने लगातार दूसरे साल 20 मार्च, 2026 तक एक अरब टन कोयला उत्पादन का ऐतिहासिक मील का पत्थर सफलतापूर्वक हासिल कर लिया है।''

अधिकारियों ने कहा कि उच्च और निरंतर कोयला उत्पादन से देश की बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करने में मदद मिली है। इससे बिजली क्षेत्र को कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों में रिकॉर्ड कोयला भंडार बनाए रखने में भी मदद मिली। मंत्रालय ने कहा कि यह प्रदर्शन कोयला मूल्य श्रृंखला में मजबूत योजना, कुशल निष्पादन और कड़े समन्वय को दर्शाता है और देश की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। कोयला मंत्रालय ने कहा कि वह एक स्थिर, पारदर्शी और प्रदर्शन आधारित परिवेश विकसित करने पर जोर दे रहा है।

'वायरल गर्ल' मोनालिसा ने लगाई मदद की गुहार, वीडियो शेयर कर बोलीं- 'मुझे और मेरे पति को मिल रही धमकी'

साल 2025 में प्रयागराज में हुए महाकुंभ से चर्चा में आई मध्य प्रदेश की मोनालिसा बीते कई दिनों से लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। दरअसल, वायरल गर्ल के नाम से मशहूर मोनालिसा ने अपने मुस्लिम बॉयफ्रेंड फरमान खान के साथ 11 मार्च को केरल के मंदिर में शादी कर ली है। उन्होंने ये फैसला अपनी फैमिली के खिलाफ जाकर किया है। मोनालिसा और फरमान खान ने जब से शादी की तब से किसी ना किसी कारण से खबरों में बने हुए हैं। दोनो की शादी को लव जिहाद बताया जा रहा है। अब इस कपल ने धमकी मिलने के कारण मदद की गुहार लगाई है।

मोनालिसा और फरमान खान की शादी बाद से बवाल मचा हुआ है। दोनों के अलग-अलग धर्म के होने से काफी विवाद हो रहा है। वही मोनालिसा और फरमान खान की फैमिली इस रिश्ते से सहमत नहीं हैं। अब वायरल गर्ल मोनालिसा ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसमें वह अपने पति फरमान खान के साथ मदद की गुहार लगा रही हैं। दरअसल, वायरल गर्ल यानी मोनालिसा ने फेसबुक पेज पर एक वीडियो शेयर किया है। वह सीएम, पुलिस कमिश्नर और मीडिया से हस्तक्षेप की अपील करती नजर आ रही हैं। मोनालिसा ने कहा, मै मोनालिसा भोसले और ये मेरे पति फरमान खान हैं। मैं ये वीडियो लेटर के साथ सभी को मेल कर रही हूं, प्लीज हमारी मदद करो। हमें खुलेआम मारने और काटने की धमकी दी जा रही है।

बताते चलें कि मोनालिसा अपनी फैमिली के साथ महाकुंभ माला बेचने के लिए गई थीं और अपनी खूबसूरत आंखों के चलते लोगों के बीच चर्चित हो गईं। इसके बाद लोग उनको वायरल गर्ल के नाम से जानने लगे। मोनालिसा की चर्चा बढ़ते ही डायरेक्टर सनोज मिश्रा ने उन्हें अपनी फिल्म 'द डायरी ऑफ मणिपुर' में कास्ट कर लिया।

इसके बाद तो उनकी पॉपुलैरिटी बढ़ती चली गई और वह तमाम इवेंट में शामिल होने लगीं। मनोलिसा एक म्यूजिक वीडियो 'सादगी' में नजर आ चुकी हैं। बता दें कि मनोलिसा को फिल्म में लेने वाले डायरेक्ट सनोज मिश्रा उनके शादी के फैसले से काफी ज्यादा नाराज हैं। सनोज मिश्रा का कहना है कि मोनालिसा के भोलेपन का फायदा उठाया गया है और उसे फंसाया गया है। सनोज मिश्रा ने मोनालिसा को लेकर सोशल मीडिया पर कई वीडियो शेयर किए हैं।

एक्ट्रेस राम्या को नहीं पसंद आई रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' आदित्य धर के डायरेक्शन समेत इन 5 चीजों को बताया घटिया

आदित्य धर और रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर 2' सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। हर कोई इसकी तारीफ करते नहीं थक रहा है। बॉलीवुड से लेकर साउथ सिनेमा के सितारों तक ने भी 'धुरंधरः द रिवेंज' को शानदार बताया है, लेकिन इस बीच पूर्व लोकसभा सांसद और एक्ट्रेस राम्या ने भी ये मूवी देखी और इसके बाद उन्होंने आदित्य धर की जमकर क्लास लगाई है। एक्ट्रेस ने फिल्म के डायरेक्शन से लेकर एक्टिंग तक 5 चीजों को न सिर्फ घटिया बताया बल्कि, दर्शकों को थिएटर न जाने की सलाह तक दी है।

19 मार्च 2026 को रिलीज हुई रणवीर सिंह स्टारर फिल्म 'धुरंधर 2' के देखने के बाद राम्या ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शयेर किया है जिसमें उन्होंने लंबा-चौड़ा नोट लिखा, 'अभी-अभी 'धुरंधर 2' देखी और भाई साहब क्या मास्टरक्लास फिल्म है, यह सीखने के लिए कि एक अच्छी-भली कहानी को सब्र का इम्तिहान कैसे बनाया जाता है।' उन्होंने आगे लिखा, 'इसे देखना बिल्कुल वैसा ही है जैसे किसी सबसे बोरिंग सब्जेक्ट की टेक्स्टबुक पढ़ना, जिसके चैप्टर खत्म ही नहीं होते। एक पॉइंट के बाद तो आपका दिमाग हार मान लेता है और सामने चल रही इस तबाही को देखकर बेबसी में हंसी छूटने लगती है।'

एक्ट्रेस ने आगे दर्शकों और फैंस को थिएटर न जाने की सलाह देते हुए लिखा, 'अगर आप वाकई इसे देखना चाहते हैं, तो खुद पर एक अहसान करें थिएटर में अपना समय और पैसा बर्बाद न करें। यह पूरी तरह से पॉज करो, फोन चलाओ और अपनी जिंदगी के फैसलों पर सवाल उठाओ वाला कंटेंट है। इसे किसी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर देखना ही बेहतर है, जहां आप बस एक क्लिक में इससे पीछा छुड़ा सकें।'

वहीं रणवीर सिंह की फिल्म की बुराई करते हुए राम्या ने कहा कि, ''धुरंधर 2' का डायरेक्शन, डायलॉग, एडिटिंग, बैकग्राउंड स्कोर और एक्टिंग सबकुछ शुरू से आखिर तक घटिया है। सच में ऐसा लगता है कि, जैसे किसी ने मेकर्स को बताया ही नहीं कि, 19 मार्च की डेडलाइन पास आ रही है या फिर इससे भी बुरा ये कि उन्हें पता था और फिर भी उन्होंने कहा दिया 'हां परफेक्ट है, भेज दो।''

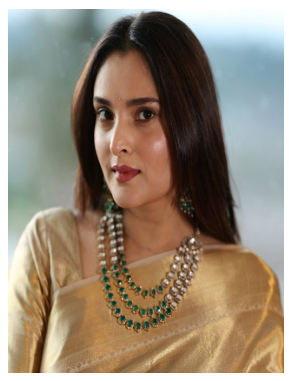

राम्या अपने पोस्ट में आगे रणवीर सिंह की फिल्म के दोनों पार्ट का कम्पैरिजन करते हुए कहा, 'धुरंधर मंस तो लोग सीटियां बजा रहे थे, तालिया मार रहे थे, फिल्म को एन्जॉय कर रहे थे। वहां एक एनर्जी थी, लेकिन इस वाले पार्ट में ऑडियंस को बिल्कुल मजा नहीं आया। थिएटर में आप लोगों की निराशा साफ देखी जा सकती थी।' आगे उन्होंने रणवीर सिंह के बारे में बात करते हुए लिखा, 'सभी लोग कह रहे हैं कि रणवीर सिंह ने अकेले फिल्म का बोझ उठाया है भाई, उन्होंने क्या उठाया है? मुझे तो पूरे टाइम सिर्फ उनके बाल ही दिखे। पहले पार्ट में उनके बालों की अपनी एक पर्सनालिटी, मौजूदगी और किरदार था, लेकिन इस बार वो बस वहां थे। हर चीज के बीच में अडंगा डाल रहे थे, सीन ब्लॉक कर रहे थे। शायद उन्हें 'बेस्ट सपोर्टिंग रोल' का नॉमिनेशन मिल जाए।'

कनाडा पर बढ़ा दबाव, सक्रिय खालिस्तानी चरमपंथी गतिविधियों पर अब सख्त कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली। कनाडा को एक बार फिर सलाह दी गई है कि वह अपने देश में सक्रिय खालिस्तानी चरमपंथी गतिविधियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए। हाल के दिनों में यह चिंता बढ़ी है कि कुछ अलगाववादी संगठन कनाडा की जमीन का इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों के लिए कर रहे हैं।

लंबे समय से भारत-कनाडा के रिश्ते में तनाव का मुद्दा

भारत और कनाडा के रिश्तों में यह मुद्दा लंबे समय से तनाव की वजह बना हुआ है। भारत कई बार कनाडा सरकार के सामने यह बात उठा चुका है कि वहां कुछ खालिस्तान समर्थक समूह खुलेआम कार्यक्रम करते हैं, प्रचार फैलाते हैं और यहां तक कि भारतीय दूतावासों को निशाना बनाते हैं।

हिंसा को बढ़ावा देने वाले संगठनों पर कार्रवाई का मामला

एक लेख में कहा गया है कि अब कनाडा सरकार इस समस्या को नजरअंदाज नहीं कर सकती। इसमें साफ कहा गया कि यह मामला अभिव्यक्ति की आजादी को रोकने का नहीं है, बल्कि उन लोगों और संगठनों पर कार्रवाई करने का है जो हिंसा को बढ़ावा देते हैं, धमकियां देते हैं और लोगों को भड़काने की कोशिश करते हैं। लेख में यह भी बताया गया कि कनाडा में रहने वाले ज्यादातर सिख समुदाय के लोग ऐसे चरमपंथ का समर्थन नहीं करते। इसलिए पूरे समुदाय को इन कुछ कट्टरपंथी लोगों से जोड़ना गलत और नुकसानदायक होगा।

कार्रवाई न होने से और खराब हो सकते हैं भारत-कनाडा के रिश्ते

विशेषज्ञों का मानना है कि अगर कनाडा इन गतिविधियों पर सख्ती नहीं करता, तो चरमपंथी संगठन लोकतांत्रिक आजादी का गलत फायदा उठाते रहेंगे और इससे भारत-कनाडा संबंध और खराब हो सकते हैं। भारत लगातार कनाडा से मांग करता रहा है कि ऐसे संगठनों और लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। लेख में यह भी कहा गया कि अगर कनाडा ठोस कदम उठाता है, तो इससे न सिर्फ उसके लोकतांत्रिक सिस्टम की रक्षा होगी, बल्कि भारत के साथ रिश्तों में भी भरोसा दोबारा मजबूत हो सकता है।

युगांडा में 2 करोड़ के गोल्ड स्कैम का शिकार हुई थीं रान्या राव, फिर खुद बनीं 100 करोड़ की तस्कर

कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव की सोने की तस्करी का मामला युगांडा में हुए ?2 करोड़ के 'गोल्ड स्कैम' से जुड़ा है; प्रवर्तन निदेशालय की जांच में सामने आया कि इस धोखाधड़ी के बाद ही रान्या ने दुबई के रास्ते ?102 करोड़ के सोने की तस्करी का संगठित रैकेट शुरू किया।

कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव, जिन्हें बेंगलुरु एयरपोर्ट पर सोने की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, उनके बारे में एक नया और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। प्रवर्तन निदेशालय की जांच में सामने आया है कि तस्करी का बड़ा नेटवर्क चलाने से पहले रान्या और उनके साथी तरुण राजू के साथ युगांडा के एक गोल्ड एजेंट ने ?2 करोड़ की ठगी की थी।

अधिकारियों के अनुसार, रान्या ने मार्च 2024 से मार्च 2025 के बीच भारत में करीब ?102.55 करोड़ की कीमत का 127 किलोग्राम सोना अवैध तरीके से मंगाया था। इस सोने को बिचौलियों के जरिए स्थानीय बाजारों में बेचा गया।

अफ्रीका से सीधे सोना खरीदने का प्लान पड़ा महंगा

जांच के मुताबिक, रान्या और उनके साथी ने शुरुआत में दुबई के बजाय सीधे अफ्रीका (युगांडा, केन्या और तंजानिया) से सोना खरीदने की कोशिश की थी। इसके लिए उन्होंने दुबई में 'वीरा डायमंड्स ट्रेडिंग' नाम की कंपनी भी बनाई।

उन्होंने युगांडा के एक एजेंट 'बेन' से 5 किलोग्राम सोने का सौदा किया और लाखों रुपये एडवांस दिए। जब राजू खुद सोना लेने युगांडा के कंपाला शहर पहुंचा, तो उससे ?1.7 करोड़ की और मांग की गई। रान्या दुबई से पैसों का इंतजाम देख रही थीं, लेकिन अंत में उन्हें एहसास हुआ कि वे एक बड़े 'गोल्ड स्कैम' का शिकार हो गए हैं और उन्हें ?2 करोड़ से ज्यादा का नुकसान हुआ।

तस्करी के लिए अपनाया 'दुबई रूट' और संगठित तरीका

अफ्रीका में धोखा खाने के बाद रान्या और राजू ने अपनी रणनीति बदल दी। उन्होंने सीधे अफ्रीका से सोना मंगाने के बजाय दुबई के मशहूर 'दीरा गोल्ड सूक' के डीलरों से सोना खरीदना शुरू किया। ये डीलर अफ्रीका से आए सोने को दुबई में छूट पर बेचते थे और केवल नकद में ही लेनदेन करते थे।

प्रवर्तन निदेशालय ने अपनी चार्जशीट में बताया कि यह एक बेहद संगठित गिरोह था जो विदेश से सोना खरीदता, अवैध तरीके से भारत लाता और फिर उस पैसे को हवाला के जरिए ठिकाने लगाता था। अब तक की जांच में अधिकारियों ने इस मामले से जुड़ी ?34 करोड़ की संपत्ति जब्त की है।

वैष्णो देवी में नवरात्रि पर उमड़ा आस्था का सैलाब, भारी भीड़ के चलते पंजीकरण रोका गया

चैत्र नवरात्रि के दौरान वैष्णो देवी में उमड़ी अप्रत्याशित भीड़ के कारण श्राइन बोर्ड ने सुरक्षा व्यवस्था के तहत यात्रा पंजीकरण अस्थायी रूप से रोक दिया है। कटड़ा में हजारों श्रद्धालु अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं, जबकि भवन तक सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन शनिवार को माता वैष्णो देवी के दरबार में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। शनिवार और रविवार की छुट्टी होने के कारण शाम तक करीब 41 हजार श्रद्धालु अपना पंजीकरण कराकर भवन की ओर रवाना हो चुके थे। भक्तों की इस भारी संख्या को देखते हुए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने शाम 4:45 बजे सभी यात्रा पंजीकरण केंद्रों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया। इस बीच, देशभर से श्रद्धालुओं का आधार शिविर कटड़ा पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी है, जिससे वहां सुरक्षा और प्रबंधन की चुनौतियां बढ़ गई हैं।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम

भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कटड़ा से लेकर भवन तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पुलिस, सीआरपीएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के जवान हर जगह तैनात हैं। कटड़ा में अभी भी 8 से 10 हजार श्रद्धालु यात्रा शुरू करने का इंतजार कर रहे हैं, जिनसे श्राइन बोर्ड ने धैर्य बनाए रखने की अपील की है।

बुजुर्गों और बच्चों की सुविधा के लिए हेलीकॉप्टर, बैटरी कार, घोड़ा और पालकी जैसी सेवाएं सुचारू रूप से चल रही हैं। आदकुंवारी मार्ग और भवन परिसर में लंबी कतारें देखी गईं, जहां भक्तों को अपनी बारी के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा।

तीन दिन में एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने टेका मत्था

नवरात्रि के शुरुआती तीन दिनों के भीतर ही एक लाख से ज्यादा श्रद्धालु माता के दर्शन कर चुके हैं। श्रद्धालुओं की इस रिकॉर्ड आमद से कटड़ा के स्थानीय बाजारों में भी जबरदस्त रौनक लौट आई है। बड़ी संख्या में यात्रियों के आने से होटल, रेस्टोरेंट और स्थानीय दुकानदारों के चेहरे खिले हुए हैं। श्राइन बोर्ड लगातार उद्घोषणाओं के जरिए यात्रियों को ताजा स्थिति की जानकारी दे रहा है ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था न हो।

नई दिल्ली में महापारेषण के डिजिटल स्टॉल को मिला जबरदस्त प्रतिसाद

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री खट्टर, नाईक और राज्य ऊर्जा राज्यमंत्री मेघना बोर्डीकर-साकोरे ने की सराहना

नई दिल्ली। भारत इलेक्ट्रिसिटी परिषद में महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी ट्रांसमिशन कंपनी (महापारेषण) के आकर्षक एवं पर्यावरण-अनुकूल डिजिटल स्टॉल को अभूतपूर्व प्रतिसाद मिला। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री श्री मनोहरलाल खट्टर, केंद्रीय ऊर्जा राज्यमंत्री श्री श्रीपाद नाईक तथा महाराष्ट्र की ऊर्जा राज्यमंत्री श्रीमती मेघना बोर्डीकर-साकोरे ने स्टॉल का दौरा कर महापारेषण के कार्यों की सराहना की।

नई दिल्ली के यशोभूमि, द्वारका में आयोजित इस चार दिवसीय परिषद में महापारेषण ने आधुनिक तकनीक पर आधारित डिजिटल स्टॉल स्थापित किया था। महापारेषण के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. संजीव कुमार (आईएएस) के नेतृत्व में, संचालक (संचालन) श्री सतीश चव्हाण तथा अपर जिलाधिकारी एवं कार्यकारी निदेशक (मानव संसाधन) श्रीमती सुचिता भिकाने के मार्गदर्शन में यह स्टॉल तैयार किया गया।

स्टॉल में महापारेषण की प्रगति, उद्देश्यों तथा वर्ष 2030 तक की विद्युत योजना को डिजिटल माध्यम से प्रस्तुत किया गया। विशेष रूप से दूरदराज क्षेत्रों में ड्रोन तकनीक के माध्यम से ट्रांसमिशन लाइन पेट्रोलिंग तथा एमटीएमसी सबस्टेशन ऑटोमेशन प्रणाली जैसे नवाचारों की जानकारी आकर्षण का केंद्र रही। इस स्टॉल को परिषद में सर्वाधिक विजिट्स प्राप्त हुईं, वहीं देश-विदेश से आए प्रतिनिधियों ने महापारेषण की तकनीकी प्रगति की सराहना की।

विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों ने किया दौरा

महानिर्मिती के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. राधाकृष्णन बी., तेलंगाना साउथ पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री जितेश पाटील, महापारेषण के संचालक (संचालन) श्री सतीश चव्हाण तथा महाराष्ट्र स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर के कार्यकारी निदेशक श्री शशांक जेवळीकर ने स्टॉल का दौरा कर संतोष व्यक्त किया।

इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भी स्टॉल का अवलोकन कर महापारेषण की उन्नत तकनीक और नवाचारों की प्रशंसा की।

अब्दुल बासित की अजीब दलील, अमेरिका हमला करेगा तो पाकिस्तान मुंबई- दिल्ली पर दागेगा मिसाइल

इस्लामाबाद **(एजेंसी)**। भारत में पाकिस्तान के पूर्व हाई कमिश्नर अब्दुल बासित के एक बयान ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। एक चर्चा के दौरान उन्होंने बेहद चौंकाने वाला सुझाव दिया कि यदि पाकिस्तान पर कोई बाहरी हमला होता है, तो उसे भारत के मुंबई और नई दिल्ली जैसे शहरों को निशाना बनाना चाहिए।

बासित ने एक काल्पनिक स्थिति का जिक्र करते हुए कहा, 'अगर अमेरिका पाकिस्तान पर हमला करता है, तो हमें बिना एक पल गंवाए भारत पर हमला करना होगा। हम इसे छोड़ेंगे नहीं; उसके बाद जो भी अंजाम होगा, देखा जाएगा।' हालांकि उन्होंने इस स्थिति को नामुमकिन बताया, लेकिन भारत के प्रमुख शहरों का सीधा नाम लेने की वजह से उनके बयान की कड़ी आलोचना हो रही है। अब्दुल बासित 2014 से 2017 तक नई दिल्ली में पाकिस्तान के शीर्ष राजनयिक रह चुके हैं। उनके इस पुराने पद की वजह से उनके बयान को काफी गंभीरता से लिया जा रहा है। उन्होंने अपनी दलील में कहा कि अगर कोई पाकिस्तान की तरफ बुरी नजर से देखता है, तो उनके पास भारत पर हमला करने के अलावा कोई चारा नहीं बचेगा।

उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब दक्षिण एशिया में पहले से ही काफी तनाव है। हालांकि बासित ने यह भी जोड़ा कि न तो पाकिस्तान ऐसा चाहता है और न ही भारत, लेकिन उनकी इस तरह की बयानबाजी ने क्षेत्रीय सुरक्षा और पूर्व अधिकारियों की भाषा की मर्यादा पर एक नई बहस छेड़ दी है।

बासित की ये टिप्पणियां उस वक्त आई हैं जब पाकिस्तान के संबंध अपने पड़ोसियों, खासकर अफगानिस्तान के साथ बेहद खराब चल रहे हैं। अफगानिस्तान के अधिकारियों ने पाकिस्तानी सेना पर काबुल, कंधार और पक्तिका जैसे इलाकों में हवाई हमले करने के गंभीर आरोप लगाए हैं।

तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद का दावा है कि इन हमलों में आम नागरिकों और पुनर्वास केंद्रों को निशाना बनाया गया है, जिससे भारी जान-माल का नुकसान हुआ है। हालांकि भारत सरकार की ओर से बासित के बयान पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन सोशल मीडिया और राजनीतिक हलकों में इसे लेकर तीखी चर्चा जारी है।

दूसरी मंजिल से गिरी 2 साल की बच्ची

सड़क पर जा रहे 17 साल के लड़के ने बचाई जान ! वीडियो वायरल

अंकारा **(एजेंसी)**। इस्तांबुल के फातिह जिला में एक दिल छू लेने वाली घटना सामने आई है, जहां एक 2 साल की बच्ची की जान बाल-बाल बच गई। जानकारी के अनुसार, छोटी बच्ची दोहा मुहम्मद अपने घर की दूसरी मंजिल की खिड़की के पास खेल रही थी। उसी दौरान वह संतुलन खोकर नीचे गिरने लगी। लेकिन ठीक उसी समय पास में मौजूद 17 वर्षीय युवक ने स्थिति को भांप लिया। वह तुरंत खिड़की के नीचे आकर खड़ा हो गया और जैसे ही बच्ची गिरी, उसने उसे हवा में ही पकड़ लिया। हालांकि घटना काफी पुरानी है लेकिन इसका वीडियो वर्तमान में फिर से तेजी से वायरल हो रहा है।

पास लगे एक सिक्योरिटी कैमरे के वीडियो में दिखता है कि एक छोटी बच्ची नीचे गिर रही है और लड़का ज़बात उसे हवा में ही लपक लेता है। इसके बाद, जब वह बच्ची को अपनी बाहों में थामे होता है, तो आस-पास खड़े लोग उसे घेर लेते हैं। फ़्यूज़ी ज़बात ने बताया कि 'मैं सड़क के ऊपरी हिस्से से नीचे की ओर जा रहा था। मैंने देखा कि एक आदमी ऊपर की ओर देख रहा है; इस बात ने मेरा ध्यान खींचा, ' चश्मदीद इज़्ज़त बायर ने डीएचए को बताया। 'और मैंने देखा कि वह छोटी बच्ची बस गिरने ही वाली थी। और इस 'शेर' जैसे इंसान ने उस बच्ची को हवा में ही लपक लिया और उसे उसके परिवार से मिला दिया।'

इस साहसिक कदम के कारण बच्ची को एक भी चोट नहीं आई और वह पूरी तरह सुरक्षित बच गई। यह पूरी घटना पास लगे कैमरे में कैद हो गई, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। बताया जा रहा है कि उस समय बच्ची की मां रसोई में खाना बना रही थीं और बच्ची खेलते-खेलते खिड़की तक पहुंच गई थी।बच्ची के परिवार ने युवक को 'हीरो' बताते हुए उसका धन्यवाद किया और आभार स्वरूप 200 तुर्की लीरा का इनाम भी दिया। वहीं, युवक ने बेहद सादगी से कहा कि उसने सिर्फ इंसानियत के नाते और 'अल्लाह के लिए' यह काम किया। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि सही समय पर उठाया गया एक छोटा कदम किसी की जिंदगी बचा सकता है।

इजराईली शहरों में ईरानी मिसाइल हमलों से तबाही; सैंकड़ों लोग घायल

नेतन्याहू बोले- हर हमले का देंगे करारा जवाब

यरुशलम **(एजेंसी)**। इजराइल के दक्षिणी शहर अराद और डिमोना में ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल हमलों ने भारी तबाही मचाई है। इन हमलों में 100 से अधिक लोग घायल हो गए, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने इन हमलों की कड़ी निंदा करते हुए इसे 'सीधा युद्ध अपराध' और 'आतंकवाद' बताया है। मंत्रालय के अनुसार, ईरान ने जानबूझकर नागरिक इलाकों को निशाना बनाया। रातभर बचाव दल मलबे में फंसे लोगों को निकालने में जुटे रहे। अस्पतालों में छर्रे लगने, हड्डियां टूटने और मानसिक सदमे से पीड़ित दर्जनों लोगों का इलाज किया जा रहा है, जिनमें कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस हमले को 'देश के भविष्य की लड़ाई का कठिन पल' बताया और कहा कि इजराइल अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सख्त जवाब देगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये हमले ईरान की ओर से उसके नतांज परमाणु संवर्धन केंद्र पर हुए कथित हमले के जवाब में किए गए। हालांकि, इजराइल ने इस हमले में अपनी भूमिका से इनकार किया है। इजराइल की वायु रक्षा प्रणाली लौह गुंबद ने कई मिसाइलों को रोकने की कोशिश की, लेकिन कम से कम दो मिसाइलें सुरक्षा कवच को भेदकर रिहायशी इलाकों में गिर गईं।

इससे कई घरों में आग लग गई और भारी नुकसान हुआ। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और सुरक्षा उपायों को और मजबूत करने की बात कही है। स्कूलों को फिलहाल बंद कर दिया गया है, जबकि इंजीनियरिंग टीमें इमारतों की सुरक्षा जांच कर रही हैं। इस हमले ने एक बार फिर वैश्विक चिंता बढ़ा दी है।

ईरान जंग के बीच बड़ा हादसा

कतर में सैन्य हेलीकॉप्टर क्रैश, 6 लोगों की मौत

दोहा **(एजेंसी)**। मिडिल ईस्ट में ईरान जंग के बीच कतर में एक दर्दनाक हवाई हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना उस समय हुई जब कतर का एक सैन्य हेलीकॉप्टर तकनीकी खराबी के कारण समुद्र में गिर गया। कतर आंतरिक मंत्रालय के अनुसार, यह हादसा कतर के समुद्री क्षेत्र में हुआ और हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोगों की जान चली गई। एक व्यक्ति अभी भी लापता है, जिसकी तलाश के लिए बचाव अभियान जारी है।

इससे पहले कतर रक्षा मंत्रालय ने बताया था कि हेलीकॉप्टर नियमित ड्यूटी पर था, तभी उसमें तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण यह हादसा हुआ।घटना के बाद तुरंत बचाव दल मौके पर पहुंचा और समुद्र में तलाशी अभियान शुरू किया गया। फिलहाल अधिकारियों ने हादसे की जांच शुरू कर दी है, ताकि दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाया जा सके। यह घटना मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच सामने आई है, जहां पहले से ही सुरक्षा और सैन्य गतिविधियों को लेकर चिंता बनी हुई है।

ईरान के खिलाफ वैश्विक मोर्चा तैयार 22 प्रमुख देशों ने दी खुली धमकी

'अब और बर्दाश्त नहीं, होर्मुज में गुंडागर्दी बंद करो

लंदन **(एजेंसी)**। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी समेत 22 देशों ने ईरान के खिलाफ एकजुट होकर बड़ा मोर्चा खोल दिया है। इन देशों ने संयुक्त बयान जारी कर होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर हमलों और जलमार्ग को बंद करने की कोशिशों की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया। संयुक्त बयान में कहा गया कि ईरान द्वारा कमर्शियल जहाजों, तेल-गैस प्रतिष्ठानों और नागरिक ढांचे को निशाना बनाना पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है। देशों ने ईरान से तुरंत मिसाइल, ड्रोन हमले और समुद्र में माइंस बिछाने जैसी गतिविधियां रोकने की मांग की।

इन देशों ने संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि के तहत नेविगेशन की स्वतंत्रता को एक मौलिक अधिकार बताते हुए सभी देशों से अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने की अपील की। साथ ही अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी द्वारा रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार से तेल जारी करने के फैसले का स्वागत किया गया, ताकि ऊर्जा बाजार को स्थिर रखा जा सके। इन देशों ने यह भी कहा कि वे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखने और संकट से प्रभावित देशों की मदद के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ मिलकर काम करेंगे। इस पूरे घटनाक्रम से साफ है कि होर्मुज जलडमरूमध्य का संकट अब वैश्विक मुद्दा बन चुका है और अगर जल्द समाधान नहीं निकला तो इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है।

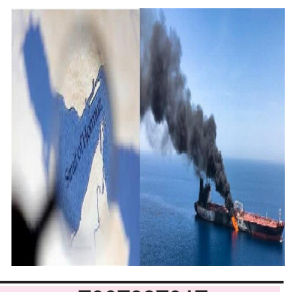

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)